ইসফ-জেলেখা

भावभोक अधान कारा

ভিষুক্ত হারিকানাপ রায় মহাশহের সাহায়ে

औहतितगाइन कर्याकात् कृष्ट्रक एक अथाग धनीक

श्चिक की मक् हिमीन कर्बक अकाशिए।

কলিকাতা

्कि, व्यः द्वाप १६ द्वाप्त्रांनित मञ्जासाम मृह्यंक्। अन्यक्रितितः वसामवाकी द्वार मर ४०

বিজ্ঞাপন ।

क्षितिर्वि प्यरश्च कहा यहित्ताक, ता अहे देनक दिकालको अल लागि नीडियेक तार्गाद्याक्तेर दश्च किलाई. १ वर्षे द्रार्ककोरी क्षिया सहिताकि। अञ्चव, दक्षा नावित्र स्थिति पुरस्कित क्षित्रक संस्कृतिक क्षा लागिद्य

> জ্বীকাত্মী সকীউনী ম গ্রান প্রান্ত শত

कित्रमार्थ ८। ४७ ४०१८७	•				
नग्रमा भक्ष					,
द्वाद्देव नादनम् े		. '			;
ल िकात स्मर्गत					inger,
কলিচ রত					
যোজনগন্ধ।					
मृशायको सामिनीकान					110
क्यांत अल्यन		, ,			(4)
खाका भागान					19/0
ाह्य मुक्ताव		,		**	/o
ভাসবসংগ্ৰ			• • 1		Ç/ a
क्षीकित		,	6,	•	10%
moreovers and the section that a first of the	*1				دد ک ^{ا ک} موم ۱۹

क्षित्र कि कि कि अगस्य अभिनेत्र कारण है। या इस्त्र करा कारण कि नामुक्तिक कि कि कि नुस्क मध्य

ভূমিক।।

এই জেলেগা পার্মীক ভাষার মধ্যে সর্বপ্রধান ও নৰ্ব্বোৎকুট কান্য বলিদ। প্ৰেশিদ্ধ। ফলভঃ ইহাই युल व्यक्ति (य कि श्याच क्रमुख्यम तम, खादा कर ন্ত্তি। ভাষা পাঠ করিলে মোহিভ হ্ই(ভ হ্য। আমাদিলের সংস্ত কৰির মধ্যে মহাক্রি কালি भारमत कारा भग्न, अ वाभवा जाए ह करीन खात्र राष्ट्र तात्र श्रीकारच काता. अवर हे रह-জাদগের ক্রিরণত শেকাপিয়রের কাব্য নাটক যে अकात महस्ता कृष्णे ७ महीनामा, शाहमीक छाणाउ मरभः हेमक-८६८लाना एकप डेश्ह्रके ७ चामत्वीहः এই কারণে আমি সেই অভ্যুপাদের কারা গ্রন্থ বঙ্গভাষায় কবিভায় রচনা করিলাম। এ বিষয়ে षामि (य करु पृत क्रूटकार्य) इरेग्नाहि, टाश् ष्याचि বলিতে পারি না। পাঠকবর্গের বিবেচনার উপর নিভর রহিল।

এক্ষণে সক্তজ্ঞ চিত্তে স্বীকার করিভাত, মে কিবিবর শীহুক রাসরসায়ত প্রভৃতি বিবিধ গ্রন্থকার সংহাদধের সম্পূর্ণ দাহায়ে এই গ্রন্থ প্রকাশিত হেইল। তিনি এই গ্রন্থ সংশোধন বিষয়ে বিভর পরিশ্রম স্বীকার করিয়াছেন বলিয়াই আমি সাহস্থ হইয়া ইহু প্রকাশ করিলাম।

কলিকাত। ২৭ মাগ बिहार त्याहर कर्यकार

बिम् कि विक श्रृ	क्र अक्स वृद्धि	1 1 TO 1	ह, भीड ः	(₹ , ⁷ **
इहेरव । ज्यारक रहावमूक			٠;	She
নাহান্য	9	• •		y50
न्यो विशास प्रमीलभन्नी	Ğ.	. ,	, , , 4 «#	No :
ज्यं पूर दमत		1		1, 7

সূচীপত্ৰ।

	1				为电1
সঞ্জাচরণ				• •	
गुड़ार मु	•				
डेम्पात शूनकी	র স্বগৃহে	অকিমন			ورد ا
সফনবিকি চোর	्राह्	্ৰ কৰিয়	किस् 	ति,श्र वर्र च	19,15
^{दि} त्रूप		4	. , ;		.**.8
ছেলেখার দ্যা	पु क्ष ण र	্ৰন	v	/ 1	1,6
জেলেখার প্রে	'इँद्रम्यः"	ति सम्भन्न	६ दिश्ह	4 3 3	- ts
क्षालगात मधी	্ নিকটে :	মনোগ ্	অবি প্রব	simi .	1
কেলেখার বিরহ্	পূৰ্ব				* 28
(कारलकाव रिस	र महिंगी	'র ভায়েক	Ý		>)
্রেলেখার সংগ্র	हेत्रक है	कार्ड भव	तोषूऽच उ	शंक 🎮	5,5
शृष्य हैमारुक (क्रात्स्य∤द्र इ.स.च्र	विकर्ते -	दिश्य छ	ार्ध्य, ७	', ''
সাকিক এ	নশবেৰ ব	প্রতি পত্র	্প্রের্গের	প্রামশ	, '
अम् १०			* .	,	.52
আ'কিজের উত্তর	পত প্রে	त्र .	1.	• •	. IO
জেলেখ াল লিখা	द्व शंभाग	17/व	s 1	, .	ંદ
কেলেখার মিশর	नगरत १	नगम	• •		i w

व्यक्तिक समान्रक प्रमीन क निया स्त्रत्मवीत मानोहः य	ob
স্বাজিজের সাইও দেলেখার বিবাহ ও তাজিজের দ্লীব	4
arfe	8.
इनकार ग्रामिन	80
क्षेष्ट्रणन प्रदिश्च हेमटकत यस गमन	80
ইসক ভাতৃশণ দৰ্ভৃত দূপে পতিত	84
बक्रवर शूक विराह दथम	(to
भारतक गायक (अधिवर्द्धक देशराहर देशाह	43
ंद्रकटलथात मधीगरा मृत अध्ययका रक्त शमन	48
মালেক সং রদ্ধিরের ইম্য সম্ভিত্যকারে দিশার	
অংগৰম ় .	¢ &
ভাট কর্ডুছ ইমফের প্লপ বান	C b
ছেলেখার উ প্যা ন খেদ ও ইসকেন মহিত দশ্য	4.3
देशक कर्मान द्रम्टलश्रंद महमादृश्य	৬৩
আজিজ কর্ত্তির ইমানকে করে ও জেলেখাকে সমর্পণ	10
देशकार अनि जाताचार देखि 🏃 🔑	৬৭
देशका विका दहालथार महागाइश्य 🔑 🔑	n.
্ ভেলেন্ডা র প্রতি ই সকের উল্লিখন স্থানীর ইসককে প্র	:
द्राध अमृत	95
ইসকের অসমতি ত জেলেখার মনে দুংখ	48
জেলেখার বিরহ নিকার বর্ণীন 🔒 🔒 👵	93
गश्चम वामव निर्माद्यत উद्याश	42

म स्य रोमद निर्माप	P.2 .
देशक कालबाद मध्य गामक लावम 💎 . 🖂 🛶	3 8
মপুন বাসরে ইস্ক কেলেখার কথোপক্ষন	64
ইসফের দপ্তম বাসর হইতে পলায়ন 🔑 👵 🔻	30
हेगक कालथात विवास इव मार्गत निश वर्जुक तिहा	\$30
ইসফের অনুশনি জেলেখার খেদ 💎 📆 🎺	神
हेमप्यत्र अन्ति दशक्षणात्र विभन्न 💎 👝 💛	390
फालया वर्ष्कृत देमायत संस्थानम् 👵 👵	305
त्मार्क्स	200
ইন্ফ বর্তুক জেলেখার প্রবেপে 🔠 👵	200
বেশন জ্বেষ্টি ভনমা ইন্যার কলে থিমোহিত হইমা	
দিতা প্রে মধন ল াড করিয়াছিল, ইস্থার উপা-	
थ ।	503
हेशागढ़ निकारे खालचात्र मामाध्य छोर अयोग	30 b
षां अप्र क्यूंक देशास्त्र काश्रद	Go C
हेमक यपनीत कालथांत स्थम	\$55
कालक्ष त विवेश तिलम	भ्र
माकि बाकि मामक वर्षे ब स्था प्रश्रीम व्यक्ति । स्थाप हि	
তো গ ও দাকির আমাতা পানে নিযুক্ত হওন	3:8
বিশর্ডিপতির হুপ্ন দর্শন ও ইস্ফের এগান অহতে	
পদে নিম্পুত ছঙ্ক 🗼	220
देशका दिवधर कालशाव मुख्यामिनी काम वाम धमन	५२२ .

িজেলেখার অবস্থা বর্ণন	१५४
श्राहरता हेमक कालथाइ मायाद ও कालथाइ श्रामंत्र	† 4
কেনে প্রাঞ্জি	১২৬
্রিজনেথার-রূসী দর্শনে উপজের ভংগ্রতি প্রেমাগজি	26%
TENERS CAP	১৩ -
े हेमएमत विश्वह दर्शन 💎 🚶 💮	22.
উসক কর্ত্তুক কেলেখার জপ্ত,বর্ণন 🕟 🛒	Sin
্রসহাম নূপ ভি কর্তৃক জেলেখার নিকটি দৃতী প্রোবণ	5 7.15
ইমুল জেলেখান বিশাহ ও ইসফের মিশ্চ দেশে সিংৱ	S }
मन अर्थि	404
क्सांकृदेगर मन श्रुरोहात गि लंद मनारद मंख्य क रा संदिए	
् । श्रवनः धरः श्रूनस्राव शृत्यः क्रामितः अभवित्क	
শ্ইও, সংস্থয়: ১৩ ইসকের সৃহিত পাবিচয়	: 35
এয় (ক্ষেত্র মিশর জেশে আ্রিমন ও পিড়া পুত্তে সংগ্	ş₹.,
এয়াকুৰ ও রয়হান নৃপতি, কলৈ এগজি এবং	
हेमका (अरसर्वेड़ यूने धराव ें !	284
শ্বজন্তিল । লাল্যক্তি মিন্তব্য	58b

हेमर-(कदन्धा।

नकं अश्वेस भारती के कारा

ग्रम्भावत ।

₹.

अनिन्ध मरमाद मेक्ट इताहात यन।
अनुभाव निर्मातम्हि क्ट्रेट्ट जात्व।।
भाइट जात्रमे अव देन अव स्मिट्ट ।
देन क्यारम अव्याम क्र इत जाला कट्टा।
अभाकुण कट मने जेकिएक मादिएए।
वीन आत मिथा मीदा क्यारम नीला कट्टा।
क्यारम व्य अन्न क्या कट्टम याहाद्व ।
दम्हे कम स्टिमकू जात् कट्ट आदि ।

মম সম হতভাগী সংগারেতে মাই 🗠 🗀 ্ৰীয় কৰা দোহে মৰাভংগ শোক পাইঞ্জ এদশ শন্তনীগণ সবে পুক্তবভী। क्वन अ भूती **मास्क लागि छन्दी** पहित्र उरकार संग शाम क्या वर्षाता मीटनटक कहर एका कुणा शाताबाट কুপাদিৰ তেট ৰম লছ আশা ভরি . দীননাথ পুত্র দান দেহ দয়া করি 🗈 এইৰূপে স্তুতি নিতি করেন বঁ সাম । कामभागावाहरा स्थवाहर्म स्थानिया ह নিছাতার ত্যতি রাণা করেঃ রোজন -भएए सामा की। पूर्य कराव भारत ! ताहिलात एटन जुके इट्स फनवास। क्षुत्र। पृत्ये शुख रह देक्टनम अनाम-এক দিন মহারাণী **শুদ্ধম**তি হরে। পতি সহ রভাত্তে ছিলেন যুদাইয়ে ই দেখিলেন গুণবতী স্বল্ন রঙ্গনীতে। कुउरम পড़िल हुन गंग हहेरछ। ধরা হতে আসি শীদ্র প্রবেশে উদরে। হেন স্বপ্ন হেরি শীহরিল কলেবরে ৷ চমকিত কাম রামা বসেন উটিয়ে। किखारमन महीगारन व्यक्ति स्टेरग्र ।

श्रध विवद्भव तानी यंतिसम पूरण। स्थि ग्रा तिलालम् शांद हूटम हूटम । . ११ देशकी श्रेन मा बनिदंव कारत बात । ञ्चल महान मृदंब उपरत त्यामात । ७७ दीन विकटनन श्रेतम शांनास । ें के का ताओं विधित्र निसंदर । । द्य ध्वमतकाल भतिभूर्व हत । াউ শুভক্তৰে রাণী পুত্র প্রসাদিন। क्वेल (१) लिखनत् पृथिष्ठे रचन । कर्पारक डंक्कृन रहा भक्त खूदम । भिन्ति भारक यस भीत हरेगा राजन। विष्यरम পाইल नाथ मिट्टे नर्कणन । চত্ত্রংশ কপ দিয়ে ইম্ভ নবিরে। সৃতিলেন তগবংন অবনি निकेदत । দে ৰূপ বণিতে নাই অমতা আমাৰ। মূল এছে অংশ লিপি ছিল ও প্রকার। . छन्छ मन्द्र भग ७३ निद्वन्त । अश्ने कृत्य **का**बित्तन काशन वर्गम । ু একুনেতে বড় অংশ ৰূপ মাত্ৰ সার। পাইলেন শিশুবর চতুরংশ তার। বেই জন নিরীকণ করে সে বালক। त्मरे कन वटन दक्न रहेन शनक 🛚

অপৰপ ৰূপ ছেব্লি অভি সমংকার-वाका नाहि चटत मुद्ध प्रिंच नगकात । म ताका माधार इति गरहरू तम्भी । खनिएत निख्य क्षेत्र अविन अपनि । শিশুৰ্যে যে জন করছে নিরীকশ! নিঃশব্দে থাক্যে হয়ে আত্ম বিশ্বর্ণ चीत चीत शह कार्या नामि भरत भरन হেরিয়ে শিশুর ৰূপ পালে ২০ জনান क्र वटन असंकारि क्रच्येन वान । এবংগ পুৰূপ করিবেন অভিযান ঃ ত্রিভুবনে কিলে হতে দেৱপ উপসং। একপ নিক্তি বুঝি প্রভুর মহিমা I মহারাণী সে ৰূপ হোরয়ে স্বরনে। সহস্ত প্রণতি কহিলেন ভগ্রালের চিরদিন মনে তারে যত ছঃখ ছিল। जाना करन ज्ञाधिक ग्रहभाग्य इन ह নুপতি সে কপ হেরি প্রমেন্ত্র পুরিল। वरू थन नीन एः चित्रद्य नान निज। यत्त्र चरत्र कत्रहाने करत् तामाभग । अटमांटन श्रृतिरस करता मक्रमाञ्जन^{म्}र দিনে দিনে বাড়ে শিশু প্রযুক্তিত কার। केयन हानिएते लिख नवा भारत हाती।

देनक-एक्टनथा।

শিশুর কটাক নাণে অর্জের হইরে। भारेरोत्रिक शास्त्रकात्रकात्रका प्रविद्ध । নে উপ্তৰদৰে পাৰ শুলি উভাৱণ ৷ বিপিন্দে করিল বাস গুরু পরিসাণ । शरम शरम मिखवर सर्गदन कि माँदि । **দ পাদ হংশ হারিপ্টডে বান মাঠে।** বনমে হন অপ্রপ রপ কুল ! ুলনা ভাহার নাই জগতে অন্তুপ। অভঃপর চারিষর্য বয়ক্তম হল ! ছিতীয় নন্দ বাণী পুন: প্রদাবল a বনামিন নামক সে করিও নাকনে। প্রদ্বিদ গুণবর্তী অনি শুভক্ষণে ৷ শুনিরে একুব নবি প্রমোগদ পুরিক। शक वय महभा कु हे सम्हन है हैन 🕼 দাদশ সন্তান হল ভূপতির **খ**রে। করেন প্রণতি স্থাতি পর্য ঈশ্বরে। ইভিমধ্যে অকসাত্রিপদ ঘটিল। विधित निकारक आहिलात काल हल ह হাহারদার শব্দ হল নর্বর পুরিষয়। निर्देश कार्य दिन कार्य सामने हिनद्र । जकार्डत क्रम्मन करत्व सुन्वतः 🕈 🥈 विवाम जाबिता व्यक्ति स्ट्रेट्स केल्या ।

इस्टिंग निश्च यनि माठ्डीन एत । পালন কারণ ভূপ চিন্তিয়ে বিক্ল ম दाहिनात उगी अक हिटान श्रामा वनामित्न अर्थन देसहस्य कीरहा त्नारच र मा गानी निहरण निरुष्ठ उक्ता है हुन श भाशी लिनी ६८७ इत लानम फेळण । রকারতে। ধ্রতাজ স্থাতিকর ভাছ। वना गिर्म जार्म रुके निस्त पुरुष मास्र ह একুৰ নবিব ভগ্নী ছিল নেশ ভাকে। भाहेत्यम अञ्चित्रहरू त्कराम मध्य । রাহিলার কাল হল মদান পাটারে हेन**्क नहें ए** अन अकूदर छ ने हैं । করুশ্। করিয়ে বলে একুব নিকাটে : ঘন ঘন কুরাঘাত হানিয়ে ললাটো 🛭 रव ভার্যা। মরিলেন রেখে শিশুগণে कि बार्श भागम इरव जनमी विहरन। कना शुख केनश्मार्य नाहिक धामाह **এकाकी विधवा अ**नंभूदंत जानिवाह । इनदक भागादक एम्ह कवित भागन। না করিবে চিন্তা কিছু শুনহ রাজনা এত বলি কাঁদে একুবের হত্তে ধরি। কাকুতি মিনতি অতি বায়ে বারে করি 🛭

ভটীর কভিয়া বাকে। ভূলিয়ে রাজন। इंगरकत्त्र डाटक क्राइत्सन ममर्गन् । বলিজেন শিশুবন্ধে করিবে পালন । অবহেল। কাকেনা করিবে কদাচন। খর্ম প্রেণ সমূপণ করিছে ভোমারে। चनः (प्रकृष्णतः वृत्र हा<u>जा स</u>्विकादन ॥ ्र छटम दण्ड विदम रह कन क्लीवहरू अपन्ति १८८ स्थ माध्यत् सम्मत्म । শক্ষ্য বাক্ষিব আদি গণিয়ে অমার। স্পিত্য নিজ এই । করেতে তেগার। উল্লাহিত হল রাখা ইসকে পাইয়ে। আকাৰের শশী পার হস্ত বাড়াইছে ট ाटएक इश्रम किल यहन क्यारण . रेम्ट्य नहेंद्रा कत्व निव्युक्तरत्र कटल १ जिक्य पर्यमे जिना नाहि खना धान। त्मर्थे कर्न क्रिमाध्य त्रमाधान ख्यान ॥ আত্ম পাদরিয়ে করে শেকপ দর্শন। वनन ८ दिस्ति करत मकल की वन । ম্বৰ্ত্নের সিংহাসনোপরে লিশু**ররে**। मांकृ नम महा धक्ता काति बन्धा करा । মতি চন্ৎকার নানা বসন ভুনত্তি गों िक कनेशा चाहि जड़िक के सिन्।

বন্ধ মালকার নাহি প্রয়োজন তার।
তার কপে শোভা পান বন্ধ মালকার।
বসাইরে শিশুবরে রক্সনিংহাসনে।
নানা উপহার মারা গোপার সমনে।
মানের মাননে কপ দেখে এক চুকে।
না করে চন্দের আড় থাকের সজত।
ভিলেক না হেরিলে নে ২০ মুত্রতা
এই মাত দিনু কত বহিত্ব চলা
ইসক বিহনে ওখা প্রমাদ ঘটিল।
না হেরিয়ে সে বদ্দ একুর কাতর।
না হেরিয়ে সে বদ্দ একুর কাতর।
নাগহারা কনি প্রায় হইল কাকর।

रेमरकत **शूमर्या**त खन्दर भागमम्।

কেদান নগর হবে ইশকে লইগে থেতে, পুরিমর হয় অস্ত্রকার। প্রতিবাসি বত জন, সকলে বিরুপ মন, নগরে পড়িল হাহাকার।

अकूब के। मिटल यटन, । कार विधि कि कतितन, निस्त निधि रकन हर । वाम । ्रेमी द्रितित्म रुखसूर्यः निरुतिहास यात तुकः देकि मात्र देश शतिगाम । निकासित व्यस्तित्वः काँदम विवरण विनिद्यः

नेगरकत विष्णुत **जनश**ाः ार निजगर^भं यान जिनी ज्यान.

पुञ (मोटक स्ट्रेटश **कटे**पया । াকিয়ে ভগ্নীয় ভরে, বলিলেন মুগর্ডে,

खन जिम्मामात्र वहमः

न (इतिहास देनदकरत, भभ अपंत्र विभटत.

स्देशाट्य निक्षे भत्र ।

इंभएक काभाटक तम्म, नहेत्र राहेर तम्म, রাখ এই বছন আমার 🏃

न धम नियमा एद्रः । त्थातन कतिव छादत,

তव मिकटि भूनकात ।

मख भिन दहरब दहरा. श्रुन शांठाहरत छरा।

তৰে হবে সকলি কুশল। 🎊

हेंहा यकि ना कंदिएत, कि मटड बाँहिव डरव.

একান্ত ঘটিবে অম্প্রল 🎼 नवित व कथा खीन, जिलिनी खेमान खीन,

बटन हात्र थ कि इन मात्र

বিচারিল মনে মনে, সর্বানাশ এত দিনে। হত্তিযে বিযাদ এ কি দায়।

এরত্ব একুবে দিয়ে, কি ৰূপে বাঁধিৰ হিছে: মরি মরি মরি প্রাণ শ্বায় ।

কি হবে কি হবে সারি, সানেতে মন্ত্রণ করি: ঠাহরিল দায়ুণ উপায় !

চোৰ প্ৰতিবাদ বিয়ে, শিশুৱে **গৰ** হকি বিধিমতে একুৰে ছলিয়ে :

সংখ এক গনে জার । বলে কি নাটক তাৰ, তব অতে যাইবে লইয়ে।

'আনিরে দে শিশুবরে, সমর্শিল নূপবরে, ইসফে পঃইন্যে মরণ্ডি।

হারা নাড়ি আল গারে, ত্রিভ্লইমে জার-গমন করেন শীপ্রগতি L

कनान मधरत यपि, हेमटक जानिक विधि,

পুরবাদী আনন্দে পুরিল। নগরে উঠিল রোল, বাজে শিস।কাড়া তেল,

নহবত বাজিতে লাগিল।

অতি অনেক্ষেতে তায়, সপ্তম দিবস বাচন

স্থৃপতি রাখিতে ভগ্নী মন।

সপ্তম দিবদান্তরে পুন ভাগনীর ঘরে, ইসফেরে করিল প্রেরণ।

একুবের ভথী ভায় নিড়েছিল মৃত প্রায়. **उट्ट इ.म. आहे**ट्य जीवन। ' (**रिताः त्मे मिक्स**रतः) न्याख श्रुटः। **मर**ः। ७१८: क ति दलक दमन ज्यान । षामराम शृतिक काल, गर्छम मिका बाल, काम काम एएवं दिस्थिए हैं গণনা করি, কি হবে কি হবে অরি. করে মর্নে মন্ত্রণা এমত। ारिशास नक्ष जानिः समज्य करार्ध्यनी. ইসফেরে প্রম শতমে। পিতৃদন্ত বস্ত্র ছিল, কটিকে স্বাটিয়ে দিল, স্থিক। খটিত সে বসমে। मत्न श्रवक्षमा कति, दिन कति ज्ञाउति, করিলেক আনন্দে প্রেশা পুরবাসী হেরি ভার, আন্তেক পুরিক কাম. জয় ধনি করে সর্বজন 📳

नकमदिहक छोत्र वाटम मान कविशा मिकालदम् ताथिवात्र विवतन्।

চাতুরী করিয়ে রামা চাপিরে বার্টেনতে। উপনীত হল গিয়ে নুগতি আন্দেতে।

वत्त भग शिष्ट्रम्खं करिवछ हिल। हुति कृति हेनक का लहरम आहेत । ধর্ম অবভার ভূমি রাজা **অধি**কারী। মম চোর ধরি দেহ স্থবিচার করি । এড শুনি নুপতি ডাকিয়ে ইনকেরে। নিজ্ঞানেন পত। বাকা বলিনে আমারে। বেন বহু চুরি কর ব**ল বিবরণ** : একুকশা কেন তব হেন আচরণ গ ইপক বলেন আমি কিছু নাহি জানি। কলাটত বস্ত্র চুর্নি করি নাহি আনি 🕽 किछ सम्हे बक्ष महत्र जानिसारह तरहें। প্রমাণ হইল চুরি সভার নিকটে I भिकारत চুরির দশু এই ছিল সার। मान इत्स अत्रु छुति कटत त्य माञ्चाव ४ हेभरक कहेरस तामा लाग निकन्द्रत । ক্রন্ন করেন নূপ অভি সক্ষান্তরে॥ शाय विधि पिरस निधि हत्त निमाइन । कि त्मात्व अमात्र त्यात्र घटडे श्वनःश्वन । निजाशात श्रीतमा स्रेन रकान । पिनमा पात्रमास्य छिठित कन्मन । কেহ করাঘাত হানে মুত্তে আপনার। বভাষদ ষহিত পড়িল হাহাকার।

कृषिद्ध धकुव निव १५ १७ छान। আ**ত্ম পাশুরিরে** করে অন্তরেতে ধ্যান চ रेनक वानी इटड भारेटलन उन्न मात्। हेमदुर भारेत कृषि भीख श्रूनकात ॥ শরিবেন তব জনী তিন বর্ষ পরে। **भारक मा कड़िर्द एकर हेम**्यक उट्टा ।। स्टिफन इत्य नुश्भाटि फिल दात । করিলেন সভাসদ সদনে প্রচার 🕯 তিন বয় পরে পার আমি ইসফেরে। षानित्र देमक भूम दक्नाम नवद्ध । 'বাভঃপর ভিন বর্ণ গভ যদি হল। দৈবের নির্বল্প একুবের ভগ্নী মল । শমাচার পেয়ে নুপ অতি হয়ধিতে। চলিলেন শীন্ত গতি ইসকৈ আনিতে চ याहेट्य ज्यीत शृत्ह नात हेमा करता। **উ**लनीए **इ.स्टान (कन)न नगर**त। পুনশ্চ নগরে গড়ে জয় জয় হনি। भारेण नगत्रवामी धरे वादी सनि । हेमरफ हितिस पूर्वे हम क्रार्व कन्। यां भी स्वाप कहि महत्र शंल निर्कुछन । ভিলেক চক্ষের আড় না করের রায়। हेमरकत करण मना भग्न हरत यात्र ॥

আনা পুজগণে নৃপ ভূলিলেন প্রার ।
না হেরিলে ইসফে করেন হায় হায় ।
সে চক্রবদ্ম থেবা হেরেরে অপ্নেতে।
আন্দ্র পাসরিয়ে থাকে সেরুপ জাপিতে ।
জেলেশা নামিনী কন্যা হেরিয়ে অপনে।
পাগলিনী হইলেন পিতার ভবনে।

क्टिशांत अय. ७ तथ उर्भन।

পূর্বাদেশে ছিল এক বিগাতে নগর।
কৈনুত্ব নামক তায় আছিল ভূথর।।
অমর নগর কিনি অতি রম্য স্থান।
কোন দেশ নতে আর তাহার সমান।
সম ঋতু সে গোশে বসন্ত চিরকাল।
পরম আনন্দে রাজ্য করে মহীপাল।
বুকে যোজাপতি বীর রণে ইপপ্তিত।
বম সম শত্রুগণে করে সশস্তিত।
দিত্তের পালন করে চুকের দমন।
ছরাচার প্রতি ভূপ যেখন শমন।
অগণ্য সামস্ত আর মহা দল বল।
সৈন্য সেনাধ্যক্ষরণ সম্বের অটল।

পদাতিক সৈন্যপণ আর করিবল। শুভেতে অভিক্ষত জন্দ স্থল। तामानिश पर्किशी यथ यशनमः। थकत शर्पा छ छे । कि करत्र श्रीपन ॥ একার্ন পালন করে পুত্রের সমান। श्रिष्ट भुवादाम कृषानिष्ण करत मान 🌬 পরম আনন্দে রাজা করে অনিবার। ্এক কুনা। ভূপতির নাহি কিছু খার। ब्बट्सर्थ माभिनी कुन्म श्रुक्त अन्तरी विक्तित न्त्रमाभ विवि दिकायशे ॥ দে ৰূপ বৰিছে কোবা ক্ষমতা আমার কিঞ্ছি বিধিব যাত গ্রন্থ মনুসার। विवाहेटन विवाहेटन किया लगाउँ दन्ती। भग्न। हट्ड थाह्न स्थन काला **प्र**कारिनी । হেরিত্রে সে ফুরঙ্গিণী ভাষার নয়ন। लक्षां अशान देवल वन उभवन ! ভূক ধরু উঙ্গারেতে দেখ চম্বকার। करें क कमर्भ वान आहटा हुर्सात ! ल्ल फूलं विनि नामा जूबनत्वाहम। क्ना सनि एकाटन देशीत टन इन्सदमन একত্রিশন্ত যেনি মুকুতার হারা 💛 পকু বিহ কল খিনি অধর ভাহার 🞼

য়ণাল কি **ভূজের** হইবে সমভূল । 🚋 **उद्भाव करन करन कान म्हेर**स जा**कून** । समर्व केंडिन ल्यांट्ड विधित वंगरन ! বিকি মিকি ছটায় ভড়িত হারি মানে 🕫 অতি ক্ষীণ মাজা বিনি ডমরু কেশরী নিভয় খেরিয়ে কম্পবান হল গিরি 🛭 উরু হেরি রক্তাতরু অপ্পায়ু হইল। পাদপত্ম হেরি পদ্ম জবেতে পশিল ১ সে গঙ্গেন্দ্রগামিনীর কেরিয়ে **প্র**মন : লাভে পশু পক্ষী হল মরাল বারণ। পিতৃগৃতে খাকে कमा धकुन वनम। मक्ताक पूषिण एरिए अमृता ज्या ! সঙ্গে তুর্জিণী সখী যতেক যুবলী। পরম রূপদী তারা অতি গুশবতী 🕸 স্বৰ্ণ পালকে সধী ভাষুল যোগায়। रेमरवन निर्वाचा योश थे छन न। योत ।

জেলেথার শ্বপ্লে ইসফনবি দর্শন ও বিরহ।

এক দিন ব্লাফবালা হরিণ লন্ডরে। নিজার ছিলেন নিজ পালক উপরে।

সখীগণ করে হুঙ্গে চামর ব্যলন। विधित्र निर्विक्ष कन्त्री एमध्येन खन्न । ষ্বারে হেরিখেন কপ জগতঅনুপ শশিচুটা নিজে ৰূপ অতি অপৰূপ হ নে ত্রপ বর্ণিডে নার্যে ব্রহা চতুর্শ্ব । खनकन दत युवतं कि क्ना । ८४८थे । খণ্ডো ৰূপ দেখি কন্যা হতজান প্ৰায় : निजा उट्य करतन कि रुव राग्न शक्त ह আহা মরি কি হেরিনু গেল সে কোথায়। হেরিলাম কিবা ৰূপ হার হায় হায় : প্রেমবাণে জরজর হল কলেবর ! कहे हिन रहाशा धान औरवद रमामह । ছেন নিধি কেন বিধি লইল হাবয়ে। मबाहेरह व्यवतास खरशे (मर्थ) मिरत । ভাহার বিরচ্নে আমি ভাজিব জীবন। ष्यद्रशापूर्व वाने कता कद्दन द्वापन । নিশিষোগে নিজা ভক্তে যত স্থীগণ। **मिश्रिल एकरलिश। दिन करतून द्वामन १** नवीनगं रटन करना कति निरंतन्त । কি কারণে জকমাত্করহ রেদিন & नशीत कथात्र धनी मा त्मत्र छेखेत । **८६७ गुरु १८त्र था**टक वितन व्यस्त ।

সেই ৰূপ খ্যান জ্ঞান হেরিয়ে প্রাপ্তি।

মনে মনে মথ কন্যা বন্ধর কলেওত ।

বে ৰূপ কেরিয়ে খন্ডো মজিয়াছে নল
পাস্থিতে না পারিব প্রক্রিতে জীবন ।

হেন ৰূপ খন্ডো কেবা গেরিল কোথায়।

কিবা অপৰ্যা ক্যা মনি হার হার ।

মন প্রেম দেক প্রকী গেল সে উড়িয়ে।

দেখা দিয়ে প্রাণনার গেল প্রাণ নিয়ে ।

ভেলেখার সধী নিবটে মনোগড়

জেলেখা বলিয়ে কাঁনে, কেশ বেশ নাহি বাঁনে,

কসনে ডাকিয়ে চলানন।

সর্বেক্ষণ ঘনে প্রতে, না হেরিয়ে বুক ফাটে,
প্রিয় শোকে প্রাণে হুজাশন।

নিলাছার তেয়াগিয়ে, থাকে বাকরোধ হয়ে,

শঘনে করেন হায় হায়।

চক্ষের নিমেধে বিধি, দিয়ে হরে নিল নিধি,

হারা ধনে পাইব কোথায়।

এক সধী কেলেখার. শুনি এল কাছে তার, নেখে আসি বিরস বদন।

कार्ष्ट्र अटम बेटन (चँरम, डोहोरत किखारन स्ट्रम वन वनि श्रीन विवद है।

वाकारताथ इत कन्न, जरधाभूरथ कन ६२,

न**पत्न क**डिङ् द्वा होते ।

· এटायंद्र राक्ष्य (मधि, य**ल मि**शि विधुसूरि),

মগ্ন হলে হেরিয়ে কাহাণ। মোরে অতি বাসভাল, তবে কেন নাহি বল,

তব সধী আমি চিরনিন। সদা অনুগত জনে, বল ধনি এইকনে,

এদাদীরে না ভাবিবে ভিন। ভুমিতো রাজার কন্যা, বুপে গুণে মনী ধন্য।

কি সভিাবে করিছ রোদন। বদাপি শুনিতে গাই, তার অধেষণে যাই,

আমি তব অনুগত জন।। স্বিক্তিকার

গুনিয়ে জেলেখা বলে, ভেসে যায় নেত্রছলে ক্ষম ছঙ্গা না পারি বলিতে।

শাপন শান ঘরে, অপূর্বে পালক্ষোপরে,

ञ्चरथ खरब्रिकाम निनिद्ध ॥

এক অপ্রাণ জনে, ছেরি নয়নে স্থপনে, হইয়াছি আমি প্রাণে সার। নে ৰূপে হয়িল আৰ্থ্য নেই ৰূপ ধা ৰুজ্যল,
নিদ্ৰা ভক্তে ছারে হরে হারা।।
দেখিতে না পেয়ে হার, সণিহার কণি আর,
হাছিরাহি জীবনের আশ্।
তাহারে বদি না পাই, একাত বাঁচিব বাই

यदिव लाः काविष्य देशवान ॥

एक रमश्री यह सम्म शास्ति अन देशी यह न সেই বুৰৱাজ কপ জিলি জিভুবন !! ठात नम खन्मत माहिक विख्यत्नः। **ट्न क्ल कर गार्ड दर्दिण चल**का। अरुडक छनिता भरी विवासिक भरत। विष्ठाश्विष्ठ इत्ल गर्न (शर्माथ) महरू ॥ (भव कि मानव किया इत्य मिनाएस। (मथा मिल सद्भ क्रा शुक्रम खन्मत्।। उसनीटल लिख्याटक भारेटच अदला। कड बुभ माह्य ४८व भाडि नाना हना ।। क्षाठ ভाइन्स ध्यास ना इहेरव जाख কহিলাম গুঢ় তত্ত্ব জানিবে নিভান্ত।। क्टिक्शः कमित्य देखा ना ब्लाकम्ना। হেন ৰূপ না হেরিল নিশাচরগণ।।

प्रवंश किवतं यांश ना ८२८त स्थापन । रुष्ट्र मा डाइरिश्व नम अजिन ज्यटन ॥ বেরপ হেরিমু আমি নিশিতে স্বপনে ! ना बाधिर निक खा? जाहात विहटन।। अश्री यद्या छन थनि प्यायात रहन। त्म श्रुक्त्व दकार्था दोल्क काँहात मनम् ।। উদ্দেশ পাইলে পাঁরি অবশ্য আনিতে। আকৃত্যে পাভাবে কিবা থাকরে ভূমিতে।। क्षदक् विवेश मात्र एक धात गारे। তাহার উদ্দেশে বল কোন রাজ্যে থাই।। কে। থা ভার দেখা পাই যাব বা কোধায়। একি অসম্ভব দায় হার হার হার ম উদ্দেশ পাইলে পারি অরশ্য আনিতে: मित्वरक स्थानित्व शीर्ष तमाख्य रूट । অমর ভবনে কিবা থাকরে পাতালে। মন্ত্রের প্রভাবে পারি আনিতে এম্বলে। প্ৰনের যোগে যোগ করিলে সাধন। ু হর্ণে রবি শলি পারি করিতে বন্ধন। বাদশ রাশিতে নবগ্রহের সঞ্চার। সাধনা করিলে লুজিম বিগুণ তাঁহার।। छेगात ना भार नथी व द्विरमत मीमा। श्वनुष घटक मादित अमल महिमा॥

नथी करह एक श्रीत यहन था गात । ...

रक्षार छेएक ब्रांचि शहर काला ।

चशाने हैं के ब्रांचि कर के कि का ।

नाम थाम माहि काम करेरा । क्षम ।।

छाड़े त्रि विट्नापिनि मांड कत ब्रन् ।

विपि ब्रहुत्व हत्य इंदेर क्षिण ।।

शक्षार ।।

शक्षार ।।

शक्षार ।।

सन्न क्ष्म थात्र मान क्षि का ।।

सन्न क्ष्म थात्र मान क्षि हिलाव ।।

सन्न क्ष्म थात्र मान क्षि हिलाव ।।

सन्न क्ष्म थात्र मान क्षि हिलाव ।।

सन्न क्ष्म थात्र मान क्ष्मि हिलाव ।।

सन्न क्ष्म क्ष्म सन्न प्रक्षि क्षि ।

सन्न मुक्ति क्ष्म क्ष्मि क्ष्मि क्ष्मि हिलाव ।।

सन्न मुक्ति क्ष्म क्ष्मि क्षमि क्षमि हिलाव ।।

सन्न मुक्ति क्ष्म क्ष्मि क्षमि क्षमि क्षमि हिलाव ।।

सन्न मुक्ति क्षमि क्षमि क्षमि क्षमि क्षमि हिलाव ।।

सन्न मुक्ति क्षमि क्षमि क्षमि क्षमि क्षमि हिलाव ।।

ब्बट्यथात्र वित्रह वर्गन

এই বংশ বিনোদিনী, কাঁদে দিন্দ যা। মনী,
শাস্ত নহে প্রিয়ের কারও।
বলে কাহা আহা প্রাণ, হানিত্তে বিচ জ্বদ বাশ
কেন কেন হলে অদর্শন।।
নেত্রে সদা জল করে, বল নাহি কলেবরে,
ইক্ষেত্র বিরহের তাপে।

कति मृत्य काञ्च, शांत्र, श्वांशिनीत्त ८७८न यात्र, देवीत्वाकि मादन दकान सदल ॥ कामि नवी अधि कत्न, आन त्याद मण श्वांत्र, तृत्वि काव कीदन मा उटक।

বুনি লাব জীবন না গ্রেছ। বিনে সেই ঋণধান, কে পুরাবে ননস্থান, গোল প্রাণ বিষম বিরুদ্ধে। কোবা সকে গুণুৱালি প্রাণে মার তব দাগী।

তোমার বিজেদ প্রবাগে। দবশন দিলে প্রাণ ই'চাও ১, নার প্রাণ, লকে শাব শামন দদনে।

ৰলিতে বলিতে কলা, ভাষেতে ধরে নিধাক। শ্বনা প্ৰয়ে কবিৰে শ্বন।

্যমতে মাতিরে মাত, পাং তাবে রস্কৃতী বা লিবে দিলেম^{্ট}ালিজন।

বা**ধ জালারি ধালিলে বাগে ননী জেমালেনে ্ছলে হেলে ফবেন ৮**ছন।

'या हं कर्ड् तमरली, :तन (कन आंग गाँछ,

ন , ক্ষেছিলে নিদয় এমন।। স্থপনেতে আকুলাত্, দেখা দিয়ে প্রাণনাথ,

নিয়েছিলে প্রাণ মন হরে।
ভাজিতে। গোমেছি প্রাণ, ফিরে, দেহ মনঃপ্রাণ,
নহে, নোরে শ্রু সাক্ষ্য করে।)

. त्रांश द्यान मनिक्षेत्र, चडात मनाम हिन् कित किन छाटक इश्लीन । **७८३ क्षान जावि मान, याधनी**द्र डाम माग्र कथा कर स्थातलगान ॥ ভোমারে মানেতে ছেব্লি, প্রদান কর্ম করি. प्रमु थति करिष्ठ कर्मा । खंदबु अकाल करा, अनुसद वर्ष हा, ें विनेद्दमंत्र अहे निद्दमंत ॥ थरे काम अनवती, त्याहिता दर्शत वारि খরতর বিরহের ভাগে। विनित्य क्रिया नक त्थेष क्रिय नक नक. कड क्या कारन क्रमाला। करुकटा श्रादा कान, क्टान हेर्ड मनादा भारत्थात्र स्टब्स दोनवाना | ারে বন্ধ সহারতে, থানি পড়ে কটি হতে, कवि करह त्यारमत क्षाना ॥

CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE

कुमातील जांब १८६ति न ६०तीनमा श्रीहरी निकटें कानि करत निटनमन ॥ ल्ख्न द्वा अनि विन् धक नगाणेत । क्रिटनंशात क्रियाह वितर विकार ।। यामिक यमेल वाला तर यानाईरस । द्वारम कहटश नमा वितरण विन**ट**स ।। निवस्त ভारम थेरि! नवस जीतरम । द्वारि ना करह कवा चार्क महन महन ॥ खनिता मस्यि भागाष्ट्राचाट मिन्न। मधी गटक उमकात महत्व हिना॥ দেশে সানি তনয়ারে ছুমেতে বসিয়ে। जारार्धक पूर्व चार्छ नित्त हांच पिरा ॥ राक अमातिरत जारत दृषि शहर दकारम। मरादर्भ हम (मन रमेनकम्दन ।) करहर्भे बादक मो छा। कह कि कार्स ।... मादगु विदर्भ स्मिश्च छक्त हन्तु। नम्। निवश्वत वारियान' वर्दिक सम्राम । र तिना र पि कि ति शिक्षाण्या का क्रिकेट रही! তে আছাকুল।।

गाणात काटन सामा ना कटक वर्णन नटनाः इट्थ यह सन बादन इन्यन ॥ মহিন্তী কাতর অতি হেলিন্তে বাহারে চ শীঘু গিরে ভূপতিরে বৃত্তাই সানার।। ভিষক বহিত রাগ করি আর্মন তনয়ার ভাব হেরি ছঃবিতঃ তর্বন 🞼 ভিষক দেখিছে কয় শুন মরবায় 🖟 🖔 এগন উচিত দেওয়া বেড়ি এর পুয়ে।। **ेम्दं शराह्य कवा। अन्** अञ्चलित द्विष पागाईस परम स्वर मोछन्छ ভিশকের বচন শুনিরে নর্রায়। मराष्ट्रश्रद्ध तिष्क क्रिक क्रमसात शाम ।: উপায় না পেরে ধনী ভাগি নের্জনে কাত্ৰপ ভাবে সদা পড়ি ভুনিতলে।

> কেলেখার সংস্থ ইসফ নিকটে মনোত্বত প্রকাশী

वक्टिंश कर्ग

্ৰেরি প্রাণপতি, ক্ষতে রসবতী, आर कार मृह्यदत । अत्र आवस्त्र, मित्र प्रतमन, कर कृष्य मिर्टम स्मादत ॥ হৈ প্ৰাণবস্তুত, উচিত কি ভন্ন, **इ**ःथ मिटेल के स्थीदन। अहरू शिव्रधान, उव किठत्र 🏸 दिना ना छाटन मवीटन ।। ্নেত্তাসি, বলিরে প্রের্নি, कतिक ए जानिकन। कुलभ मिट्य, स्मार्ट श्वाहेट्य, लुक्तिया (योजन धन[ा]। গুমুখের বাণী, যকরক জিনি, শরীর অভি কোমণা लागा किनिएस, बन्न किकनिएस, दमन जड़नीम्य !! वितर, आकास प्रःमर, আমার

रंगय (करन्या ।

विश्वद्ध रिवाह कीयन कि तरहें हैं।

दिन सिर्देश की से दूरे ।

टिंगांत कोती, नेमा नर्कका,

कीन दि नश्नकाता।

यटक निक्नी, अनक अननी,

भागिलानी त्यादंत बदल ।।

दिन्ध त्रजाश, दिन्ह निर्देश भाग,

दित्थ है सिर्देश कर्वन ।

यवना नद्दला, नाहि जानि हुनै।,

এত हुःचे टिंगांन विदेन ।।

বংপু ইনকের জেলেখার নিকট পরিচয় ও আজিজ মেশরের প্রতি পর প্রো প্রামর্শ প্রদান।

ইন্ফ কছেন শুন জেলেখা ৰপ্স।
মন লাগি খেদ আর করে। না জেদ
একান্ত হে প্রাণকান্তে যদি চা
ইন্ফ আমার নাম দি
আজিও
ভাহান

क्षक्राक्ष्माता !

पुषि नाम श्रीक्षेत्राचि कृषि व्यापारिक। ধৰাত ও প্ৰচল্চত দঁপিয়াত মতি। शह किंग क्राहित करेंग छताविनी। क्षित्र भूगन तम उटर अन्यति । करह जार दशनकृतम समिति इ सारत । वर्षा भराउँ कार थाना नहसिंदर । क्रिया अपन अप करतार महान । जान ना लाख ना खितिगात धिरायन । ক্রান্ত্রিক মোরে চাহ গুণরাশি। में सक रहा आन श्रीत जीक, व्यक्ति है (संदर्भात बानी देशक उथन । भ दालाह व्यक्ति शीएत शीरत दन । अध्यक्षित करा ना ८६ व्यटन। क्ष माम्बर (पृथा कारात कानारक िक्टिन्द्र मह थान जरह थान बार्मा इत्य किल मुखाईव कारा । के शाम करणन पानकार । ५ - १ (खर्मथा उर्वन ।

या करत रतीमाओ सामि रहिर सा साने। इतात मरवीम मचिद्रमध् त्रा तामत्न । নথী স্পাসি উচ্চগতি ভূপতির পাশে। ताक्रमीन कथा विनद्युट्ट स्ट्रांट श শুনি নরপতি অতি হয়ে আনন্দিত: মিশর নগরে পত্র পাঠান ছব্রিড I **জেলেখা সা**চনতে এক তন্ত্ৰা আনার। লিজুবনে ধনা। মান্যা অতি চসংকার। ৰূপদীর শিরোমণি তন্যারতনা ইচ্ছা আছে তোমানে ফারির সমর্পণ 🛊 অতএব শীম্র তুমি আসিবে হেধার। নিশ্বর ত্রয়া আমি দাঁপির তোমার 🛚 এইব্ৰুপে লিখি পতা তৈমুছ রাজন। দূত সহযোগে লিপি করিল প্রেরণ। দৃত আদি শীপ্রগতি মিশর নগরে। পविका अनाम करत **चाकिटचत्र करत** । পাইৰে ভূপের পত্র আজিজ মেশ 'ডিরে চইন অতি ছরিশ পঞ্চ

আলিকের উত্তর নরপতি তর গাড়ি উপলিক্ত ক্ म्म मन बहुक्त हर्व शार्म याहे। কিন্দ্ৰ রাষ বাইরা দার তুপ ছাড়ে নাই। कि अक्रिक हैटर जात भारत जामि स्टब्ड 'সদা বেরে বাস করে রাখে নিকটেতে। बिद्धमन दर दार्बन उद उनहादह। यमानि भाराद्य त्मक् युम्द नगद्द है जुदरा निकार रत विवादक कर्ण बहाता अ लिथिनाम और मात्र मर्म ॥ লিপি শাতি দুতগতি আজিজ তথ্ন। क्टब्ब क्टइटड करड शब ममर्शि । মুক আদি শীপ্রগতি নরপতি করে ! भक्तिका ख्रमान कटत खाँ मगांभरत । নরপতি পেরে পাতি পড়িস তথন। भन्भ बुक्ति एहेरलम लिमानिङ भन । मञामक्ष्मि कटर अन महतास । উচিত কন্যারে তব পাঠাতে তথায়। লানি পাগলিমী তোমার নন্দনী। नि कैंदिन जामा विक्य यामिनी THE REAL POP ্সার প্রশি সম। ग रहिन्द करन । তার জলে ৷

যার সার্গি মহারাজ বেজি তার পাছ। এখন উচিত তারে পাঠাতে তথায়। শুনি সভাসদর্গণে তৈমুছ্ নূপতি। পাঠাইতে তনয়ারে দিলা অকুমতি।

তেলেখার মিশরে গমনোদাম।

শতেক প্রমদালণ, করি দরে স্থাগ্মন,। হাসি হানি সাজায় বালায়। तिनात्र वितनाम विशो, हामि हानि कान धनी कर् यदम चूग्प भवात । করি কুচ আকর্ষণ, কাচলি করি বন্ধন, क्ट भतारेल मीलायत । रानि रानि कान नाही, स्कतीत करत पति, চন্দ্ৰে লেপিল কলেবর। কিবা দে ৰূপ মাধুরী, জনমিয়ে নাহি হেরি, ৰূপে ত্ৰিভুৱন জালো করে 🗁 💮 দে ৰূপ বৰ্ণিতে নারি, চতুমুৰা মানে হারি, अञ्चरवात नाथा किया शास्त्र । কোটি শশধর জিনি, ৰপনীর শিয়েমণি, ्रम सम्र मन्त्रीदत्र नर्दश्या ।

পঞ্চানন বড়ানন যনাপি একর হন,

তথু কৈতে নারে ক্পাক্ষা।

এইকপে কুমারীকে, সাজার ভাল ভরে,

কুমারীর সহচলীগণ।

তথা তৈমুহ রাজন, করে কলে আয়েন্ড

তনয়ার গমন করিণ।

জেলেখার মিশর নগরে গমন

মহিবী কাতর অতি লহে দন্দিনীরে।
সভিষেক করে ভারে নহনেত্ব নীরে।
কহেন সূভাকে হা গো লোকরে বিহরে
কেমনে রহিব আমি পুন্র নির্ভিতনে।
কেমনে ধরিব প্রাণ তাজিগে ভোমারে
কে আর জননি বলি ভাকিবে জাসারে
আর কারে বছরেতে করার বল্লন।
সার কার মুখে প্রেছে করিব ক্যুন।
সার কার মুখে প্রেছে করিব ক্যুন।
চলেছ কাহার ঘর আলে করিবারে।
তরে বিধি স্থানীরে ক্রিক্তে কেরিবে

मारम्द्रम काण्य देशीय दलदम् का जनमा मुक्त विद्यामिनी केनिनी देश कर । ना रूप काउन मार्च देखी पन महरा। वानीकाम कर एम पार्ष महे बहन भात करना दल मम काउंक मार्टिना यात करना माठा बर्ड महम्बद्ध पञ्चना ।। यात कटेमा दबड़ि भिटेश हिटक त्याँ व शास । ष्यानीकान कर त्यम शाई त्या डाइरिस **এक दलि अममीदत ममकात वीर्त्र** । विमान श्रेटन याच क्षंटनथी सन्दरी ह সধীগণ সঙ্গে রজে তৈত্বছন্ত্রহিত।। **हिन महाशा हिन्द्र इंग्डिंग्ड**ि অভি পাছু সেনাগৰ করিছে গমন। रखी इस पेंचे कड मा इस वर्गन । 🐬 माना मड यांना वार्ड वर्गन एक कर्ड । কড দিনে উত্তরিল মিশর মগরে 🗓 🖓 🖰 🤇 मुक्त भिद्रत भाषित्यदत्त अभाषातः किया। श्रमित्त्र जानिज जिन्दि अपूत्र स्रेश । त्याक जम मदक उदक पाकिस अधेन । **ब्बरमधा**रतं चालिसारतं अदिवासेमच ४ नामान कुगानी क्या मदीरत छथन। কেমন আৰ্থিক কাৰি করিব ধর্মনা ভৰি নতী সমূহ কৰিব আন্তৰ্থ। আহি কেন্দে কেনেখা কলেন নিরীকণ।

আজিজ মেশ্রকে দর্শন ক্রিয়া জেলেধার মলোচার

भाषिक रम्भारक रहाँ इकटनशा समाती सन्तर्व कन्नमन्द्रभा वस्य गाँव । कै।पिट्यु कै।पिट्यु हाटन क्लाट्स क्या। परीता इहेरा शीका मकिनी दन कन्। अन् मूक्षे मदद क्याच **स्था**रम्य स्म । 🐠 गारात महत्री आते व नर त इन । त्र कट्मा दर्शम हिंदू करे अटल नारे। दमरे की भागाव भारत करने हारे। त्महे दिसा श्रामणींड माहि द्यांत कात्म। भद्र यनि कोश उद्य पृद्धित मनिहन । र**नेत्रभाके दन विशेषक महत्त्रक मानु**तीयक तम गाँच एम जिस्स उक्तरिन आर्थ पति । करन अभनेत्र शाहित्याहै आधार र THE STREET, THE AREA IN THE A CEN MA PAIN CHICA WAS SAMERICO! THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T चार मधि लागे जीन जामात्मा रेक कत्रबंद्र इस उसू योजना वा मदम । सम जाना जान कहि कित्र शक भारत । धामान मरवान सित्स धामनीति करव । यात जारन निरस्टि कि कि । अर **उसू दर्शकता**रम् वाका^{चा}. त्रीन्त जाकरतः : অভিশয় ছেহ ভূমি করিছে যাইছে : (म **जन जा**चार घट शहराई दिवाह ॥ कानाइक महाद्वारक मम सम्हेति। তোমার প্রাণের কন্যা ভ্যাজতে সংসার । বলিতে বলিতে ধনী ভাবিয়ে অকোশ। ধরাতলে পড়িলেন ছাড়ি দীর্ঘ স্থান।। ट्सकाटन जाउँधामि अंजू मातावर । আকাশ বাণীভে আঁসি জেলেখারে কন 🛚 मा इक्ष कांट्र वाष्ट्रा खित्र करा समे। जा जिल्लात भांड छाटब केन्द्र रहत ॥ পতিত্ৰতা ধৰ্ম তৰ না যাইবে সভি। তথায় পাইবে তুমি তৰ প্রাণপতি ১ े अमिटल जाकार्य तानी दल्लाका सुन्दती। टेक्जना भारेटस थनी ७८५ खुता करि ॥ विमास वामात अवि सरह महत्री। भागमिनी आह रून श्रेटन स्वाह ।

আজিকের কথা করেছিলে নূপবরে।
তাইতো ভৌমারে ভূপ পাঠান মিশরে।
আজিজের আশা করি আইলে এখানে।
এখন তাইতে তারে চাহ কোন্ প্রাণে।
দেশে ইল প্রচার।
আজিজের সই জি ইবে জেলেখার।
অখন তাজিলে তারে ওগো স্বলেচনা।
দেশে দেশে হইবেক কলঙ্গ ঘোষণা।
আরতো আকাশ বাণী শুনিলে স্বকর্ণে।
কেন ধনি ভাবিতেছ বিবাহের জনো।

আজিজের সহিত জেলেখার বিবাহ ও স্মালিজের সীধন্ব প্রাপ্তি।

শুনি সঙ্গিনীর বাণী জেলেখা তথন।
অনুসতি দিল ধনী হরে নতানন।
সধী আসি দ্রুত গতি আজিজেরে কয়
অনুসতি দিল বালা শুন সহাশয়।
শুনিয়ে আজিজ অতি প্রাফুল হুইল।
ভোলেখারে ভবনেতে লইয়া চলিল।
শুভ দিন শুভকণ করি নিরীক্ষণ।
বিবাহের কর্ম করিলের সমাপন।

व्याबिटकत सामर्गनत मीया गाहि व्याद्व **उथितम जाहात भागम** भारतियात ॥ र्विकारण यस्राव्यक्त व्यक्त विवयि। সমূদিত স্থাকর মুদিত নালনী।। कति नाना त्वन पूरा जाविक उन्ते : জেলেখার নিকটেতে উপনীত হন । 📝 আজিল কছেন শুন কৈলেখা রূপ:দি। কি কারণে ন্যুমুখে ভূমিতলে বুসি।। ভোষ ভোগ মুখশশী হে নবলন। म रेड्ड अनद्भ अक कि कित्र वलना ॥ পাইয়াছ বিনে।দিনি যৌবনরতন। উপযুক্ত পাত্র আমি কর সমর্পণ।। কের দেখ বিকলেতে স্থাধের রজনী। णनर्थक नके इस दह दिध्यमनि॥ ছের দেখ স্থাকর হয়ে বিযাকর। দর্শ্ব করিতেছে মোরে বাঁচাও সক্রথ এৰপে আজিক প্ৰেম প্ৰসক্ষেত্ৰ ছলে। क्रिक्शादा नकः। कृति, क्ञुक्शा वट्टनः। क्टिश्चात कान इस अनल देगान। কহিতে লাগিল তারে করিয়ে তর্জন 🕕 মম আশা তালে করি বাছ ভূমি কিরে ৷ **त्रहे पुष्टि अपूर्व स्ट्रिश्च आमि याद्**त्र ॥

সেই মম রভি মতি সেই প্রিয়জন। তাহারে দ্রপেছি আমি যৌবনরতন !! भिहे में आभाद्र शिंह गड मिटन शाहे। , হইৰ জোমাৰ_ুপান্<u>নী</u> ভেবেছ কি ভাই॥ क्टिनशांत वानी छनि चाक्तिक स्थन। क्रांध ख्दा शिंद्र छाद्रा कतिल गात्र ॥ ক্রেমের প্রচুর মারা কে বুঝিতে পারে। क्रीवर्ष रूरेन बाह्य गाजिक महत्त ॥ কাফর[°] হইয়ে শীব্র ছাড়ি জেলেথারে। অচেন্ডনে শয়ন করিল ধর্ণগারে॥ इहार देव्यना आ ए सामिक स्थन । बीटत शीटत रक्टलभाइत **ऋ**दिम**रश** कन ॥ শাপের সদৃশ হল বিবাহ আমার! भिजा**रा** र पाउ भर्म कार्या नाहि जात । শুনিয়ে লেলেখা কয় একথা কেমন। কেমনে থাইব আমি জনক ভবন। ভগায় সকলে গোরে কলদিনী করে। ्न मंकल कथा सम खाइनाउँ ना मद्रव ॥ অভএর শুন বলি আজিজ ধীমান।.. মম লাগি এক বাটী করছ নির্মাণ। তথায় থাকিব আমি দইয়ে সঞ্চিনী। : প্রতাহ তলান মোর করিবে সাপনি।

श्रीति वाक्रिक होना वीकात क्रिया। तमरीक अरु वाक्रिकित विश्वाहरता। नक्रिकीत कर एवा श्रीक्रिय जनती। देनरक्रत क्रम खार्च हिन्स नक्ष्यी।

हेनात्कत स्थू मर्गन।

८हाथाम् ५ कुन कून नहेरम नकुट्न । हत्व करतन कान भावनिक्छ मन्। এই ৰূপে গত হয় কতেক অধন ! পুত্তে হেরি হর্ণিত একুব রাজন ঃ कु दिन गराताज करेरा नन्दरन । একাশনে উভয়েতে ছিলেন শ্যানে ধ निकायमा तोकभूक रूप्त अद्युखन । कमल्कात चुर्यन करतन महासन ॥ যেন শূলী থাসি আসি ভাষর সহিতে। শশী হুদে ভাষর বসিল মন্তকেতে 🛭 তার পর দশ তারা সত্তর আনিয়ে। क्रमाद्वत शम्थाद्ध इहिल में ज़िट्स ! এৰপ স্থান দেখি রাজার নন্দ। হাহাকার করি ওঠে করিয়ে ক্রন্ত #

পুত্তের রোদন শব্দ করিতন অবণ। हमकिर्त छेछे वरम अवूब बासन । शांष्ट्र शुरुवत मूथ कतिहत हुमन। ক্তে কেন ৰাপু তুমি করিছ রোদন ঃ कि कातर्ग अकार्राष्ट्र ७ विश्वनन। कि कातरश क्रिटिन्ट्ड क्मनानवन ह কি কারণে দেহ তব কাঁপিছে **ন্যনে**। दन रन वाल धन छनिय खेवटा ॥ শুনিয়ে কুমার কয় শুন কিভিনাথ আশ্চয় স্থপন এক দেখি অকু মাত্ৰ यन ठळ मूर्या स्हाट्ट मम कारक प्यानि। ম্ভুকে ৰসিল সুৰ্য্য ক্ৰময়েতে শশী। পদতলে দেখি পুন বেন দশ ভারা : বিশেষ না জানি পিডা বৈবা হয় তারা। শুনিয়ে নুপতি কন কুমারে তথন 🗠 भावधान क्षकाम ना कतिह कमावन । এ কপ স্থপন বাপু যে করে দশ্র ধরিত্রী ধরার পতি হয় সেই **জন।** পদতলে দেখিয়াছ যেই দল ভারা। নিশ্চয় সেবক বাপু হবে তব্ ভারা।। নূপতির ভ্রা এক **লালেতে জাছিল** এ সকল বচন সে, শুনিতে পাইল 1

ভাতৃগণ সহিত ইসকের বন গমন।
শুন কিতিনাথ, ইসকের গাণ,
যাইয়ে গহন বনে।
সকলেতে মেলি, করিব গো কেলি,
হইগাছে সাথ মনে।
করিরে সাজন, করহ অর্পণ,
ইসকে স্থার সনে।

जीका विस्तादन, खाई एन बदन, ्रशीतिक मृद्य जन्म ॥ शूरकतं वहम, कविद्य व्यवन, ्राओश कुल महि देश। ভোন্ধদের সাথে, ইসকে পঠিবতে. मा मन नाहि नेता। जीवदमञ्ज मातः, व कन यात्रात्रः जाहादन भागेदन बदम । क्याम जीतम, कतिय शातन, उसप बुडन दिस्स । भनत्क भनत्क, श्रांबाई याचात्क. **छाहादक ना सिव (बट्ड**) वित्नयङ छनः त्मरशृष्टि चामनः काकिकांत रामिनीटि । त्यम क्षापथन, हेमक वरम, शिट्यट्ड शहर रन । তারে সেখানেতে, ধরিয়ে ব্যাঘেতে, করিল বেন নিখন। একপ স্থপন, করি নিরীক্ষণ महित्य मन पामाइ। কেন অকারণ, কর স্বাকাতন,

ं उक्षा प्रमा आह

পিঙার বচর্ম করিয়ে অবণ. का कार्जा मन कम । কেন অকারণ, তারিছ রাজন, उद हेमक काइन ॥ षामारतत्र गरम, किया खग्र बरन, আদ্রা রাখির ভার। मिना अवसारन, आमिन जक्रन, दक्त जाव नहताम । भुट्यत वहरम, कारव भरमें भरम, . अञ्चाक्त कृश्योक्ट । जावित्य विश्विष्य, देनरक सहेत्र, मैलित्वम शांख हाटि । हेमदक गरेदत्र, मकदन मिलिएह, उत्य जाई मण जन। পিতার চরণ, করিয়ে বন্ধন.

ইসক ভাতৃগণ কর্তৃক কুপে পতিত ইসকে গইবে তবে ভাই দশজন। অবেশ করিল গিলে গহন কানন।

श्राबाम शहम स्र ।

एटकमार यथि भाग कति धानत्रन । देनोंदर क्षेत्रात करा छाई रम जन। । । রূপ ক্রচারে ধীর হইয়ে কাতর। -বিনয় করিয়ে কটেছ যুগি ছাই কর **।** आमादत अश्रुत मत्त कर कि कावरण। কি দোৰ করেছি তৈমি। সবার চরণে n भाव वा बर्राहर साहे थति शिवता । लाक्षणे धीशादत सम कोटल की दस ह চধ্যাপি না হয় ক্ষাস্ত থানেক চুক্তিন। क्षिक्षन कविष्य भारता धकारत उन्न । मास्य अकारत बीद काउत हरेरहा। मत्नाकुः थ उरैकः चर्त करहन कानिता। কোধার রহিলে মম্জনক এখন। दमन भामि एव शूंछ राजाश जीवन । कुक्ट देनते रुट छ। भिष्ठ व्यान दर्भात याग्र । ত্তরায় এদ পো পিতা নহে বাঁচা দায়। পলকে পলকে তুমি হারাইতে থারে। **अर्थन मि सम जव यात्र र्यमानीद्रा**। স্থার কারে নিকটেতে রাখিরে বতনে। ভার কার সহ পিতা থা কৃবে শরনে 🌙 স্থার কারে খাওয়াইবে স্থুমিন্ট ওদন। चात्र कात्र मूट्थ क्ष्यटह कतिर्दि रूपन ॥

এতেক **খতন ত্মি করিতে** ধালায়। এখন দে ধন তব ধূলায় লোটায় ।৷ अरह बनाइनेन कृति यान्यन । कुष्क नित इस रहर बांधर कीवन ॥ এক বলি ধীয়বর হরে আতেভন। স্পান্তহীন পরাতালে করিল শারন ৷ ज्येन इहेन काल जालाश्व होता। त्तत क्या यतिसाध्य दर्देत्व चार्क प्राप्त स এত বলি উপজেলে সকলে ধরিয়ে জুপমধ্যে ফেলে দিল নিষ্কা কইয়ে দ उद्गमर कुल (भरे भूतिक कालहरू। टाकार्ड रेमक दी इ नाशिन अधिरास অপার হরির নায়া কে বুঝিতে পারে। খীলা এক ভাদালেন দলিল উপরে 🛭 আত্রদ পাইল তার নধীন কিলেরে त्महे **कर्र छेर्छ वरम** छ। हाह छेन्द्र !! हेमरक करण विञ्चदम जात्वा करतः কুপের যতেক ভম সর গেল হরে: **কি কৰ তাহা**র শোভা অতি চয় কার। मह्याबद्ध ভारम स्पन क्रम कड्डाल ॥ এবলৈ ইমফ রহে কুপের ভিতরে। এখানেতে দশ জাতা পরামর্শ করে 🗵

পরামর্শ दित করি জাতা দশ अन ।

हिल्ल खरान नाव दिचानि भन ।।

गृद्ध जानभा कर्ति लिलात लाहात ।

तामन कर्तिस नाव करह छैटेल्ल्डर ।

दामन कर्तिस नाव करह छैटेल्ल्डर ।

खात्मत क्रिल जा निर्म क्रमांग छान्निल

क्रात्मत हैनाक छव नगार्ड्यल स्थित ।

हैनाकात इंग्रेस्टल बाधिस यहान ।

क्रित जात्मार्थ निर्माह छ्या क्रियामा ।

क्रार्मत होगार्थ छ्या क्रि जानमन ।

क्रार्मत हैनाल छव करार्ड निर्मा।

अकरवत भुक्षविवरह (अन ।

শুনিয়ে পুত্রের মুখে দারুণ বচন।
বরাসনে পড়ে রায় হয়ে অচেতন।
কতক্ষণে পেরে জান উন্মাদের প্রায়।
নদান অভাবে আধিনীরে ভেনে যায়।
বলে হায় একি দার বিধি ঘটাইল।
প্রাণের ইসকে ব্যাছে কেমনে ব্যালা
আহা মোর প্রাণ ধন ইসক রতন।
হায় কোবা গেলে শুনা করিবে ভবন।

शनाक भगान सामि भावाहे या है। **अनरपत्यङ प्राप्ति श्रा**केन्न श्राह ॥ আহা সোক প্রাণাধার কণের সাগব। ভোষা না হেলিয়ে মম নয়ন কাওব গ তথৰ ব্ৰাহ্মৰ কৰ পুদ্ৰবাৰ প্ৰতি। বাচ বাপু সে ব্যাডোরে কান শীপ্রভতি। भावेत्व भिवात भारता बारे स्थवन । কান্ত্ৰ প্ৰেমণে হলে কৰিল এমন দ शहन कानत्म यह राग्रहारत शहर । লিকা সন্ধিমন্ত্ৰ মৰে জ্বামিল হাৰিচে ৮ নরপতি বায়াল্লরে ফলিকে মিরীক্ষণ : र्थात् कित् कहा द्वा एक नहन । ইসফ,ৰূপের ভালি তন্য আহার: कान् थाए। लात्र सुभि करत्व भः वाद । ভার মুখ নেথে কি হে মহ: না ফরিল: কেমনে ইসক ধনে সানিল'ছ বল ! न्रभत वहन श्रीन वाष्ट्र अव करा। একি অগ্ৰাপ কথা কং মহাশর। असूत भूतम और तमहे पर्कित। তাহারে মারিতে পারে কে খাছে এমন। जिन पिन रुग रहन राजाटाई जारे। दगवा शिल कि इहेल विक्र कानि नाहे ।

তার তল্প করে আমি বেড়াই খুঁ কিয়ে। তর পূত্রগণ মোরে আনিল ধরিরে ॥ राराख्यं मूटरेटन वाणी खटन नवतात्र। भूट्य विवदः चौरिकौदा एउटम योग । ভূগতির ত্বাখ প্রভু সহিতে না গারে ! পাঠাম আছিরে ভারে প্রবোধের ভরে । প্রভুর আন্নীয় আছি করি আগমন। প্রবোধ বচনে ভূপতির প্রতি কন। ना काम ना काम कुल दित कर भन। यदा नाई (वैंदि आह्य लामात नम्म । প্রভুর আত্মীয় মেই কণড্ সংসারে : ভাহার ব্যাতে প্রাণ কোন্জন পারে! ্মান্তএর দরপতি কর্মা হোদন। तिकु मिन शरत शरीय याशन नकन। প্রভুতকু প্রবোধ করিছে ভূপতিরে ৷ **उन्नी** इड्रेंसन श्रेष्ट्र शाव्दत ॥

মালেক নামক **শ্রেজিকর্তৃক ইসকের** উদ্ধার।

इत्याल किছू निन है गैंक खुलन।
 महा कुःरथ कूलमर्था केरतन वक्षन ।

हेमटकत छुःशेजात चूहाराज एटरा। আইল তথায় দেখ এক সাধ্যরে। মালেক তাহার নাম মিশরেতে ধাম : পথ ভূলে সেই পথে এল संवश्नामी। বহুবিধ লোক জন তার সক্ষে ছিল। क्रभत निकट्टे जानि इन्डिमि केर्रिन ॥ সে নিশি ভথার সাধু করিয়ে বইংন।" পর দিন প্রভাতে উঠিল সর্ফেন 🛭 প্রাতক্কতা হেতু **নাধু জল অন্মেয়ণে**। ख्**छा मह উপनी**७ कृश मिनादन ॥ হেরিয়ে স্থাল ভার প্রস্তুত্ব হইল। নীর তুলিনারে সাধু ড্ভো আজা িল। <mark>জল পাত্রে বান্ধি হঙ্গু</mark>দান এক জন। कुलमारा नामाहेन कुलिएड जीवन ।। কুপ**মধো** রাছ**পুত্ত তল** পাত্র হেরে। ঢাপিরে নদিক ধীর ভাহার উপরে। বহু কটে দাস তারে টানিয়ে ভুলিল। ৰূপ হেরি সাধুবর মোহিত হ্ইল। **पृद्ध १८७ मन** छाड़े निहीकन करता। ছুটুরে আইল ভারা সাধুর গোচরে।। वटन अदह नमाभंत कि कर्म कतिरन। कृष इट्ड अ शामदत कि करना जूनिता॥ আয়াদের পূর্বেতে এ আছিল নকর।

মুখ্যাকরিতে কেলি কুগের ভিতর।

নাধু কর এত ভাই দাস যোগা নর দ

বারুরী ধরার পতি মহা মনে লর।।

এড় শুনি কহে তলে ভাই দল জন।

কিনে লও এ দানেরে দিয়ে কিছু ধন

শুনি বাণী সদাগর কিছু ধন দিয়ে।

চলে গেল নিজ দেশে ইস্ফে লইয়ে।

ज्यालयात निर्मातम स्म अरबम्दर

व्यम श्रमम

तथात्मरक ताले वाला श्रिटतत वितरह।
प्रतिरक मा भारत श्राम काछ थारन त
विका वितर वितर पर प्रामाणम।
रक्षत काल काला किला मा छ्यी।
रक्षत श्रितत बार्स श्रीमंकत करत।
रक्षत श्रितत बार्स थारक विभूत्रशी
रक्षत श्रितत बार्स थारक विभूत्रशी
रक्षत कारण मिनकत क्षेमंकत करत।
वितरि समात स्वी विक्रम वाफारत।
स्वाध स्वीतरम मीज सान निम्नित

अग्रम अग्रस्त सबी अह गर्वण সুমূদিত প্রকাশিয়ে শীতল কিরণ । अफूलि कुमनिमी आगव्यू किरि । প্রশাদুটিত হরে রহে উদ্ধ মুখ করি। সুধাকর সিধাকর করে বরিষণ। বিবৃহিত্ব পালে ভাষ্ অনুস্ যে গুল সেই স্বধ্কর করে জেলেখা দগীনা প্তির বিদেশে থেনে হয় ভলানহীনা । ফলেক শব্যাহ পড়ে ক্ষণেক ধরায়। करणक मधीत दकाटल शहणन वतात । কভক্ষণে পেয়ে জনে পাণলিনী প্রায়। কপালে কন্ধণ হানে করে হার হায়। करह प्रदर्भ धित्रजन शाप्त ८३ छीतन । একবার অধিনীতে দেহ দ্বশ্ন कहित्स बाबादा कृषि वानितः सम्बद्धः পাইৰে আমার দেখা আহি ৩ ভবাৰে ৷ তব বাক্যে বিশ্বাস করিলে প্রিয়জন। আজিজেরে করিয়াছি প্রতিত্বে বরণ। অবলারে ছুঃথ দেওরা উচিত মা হয়। এমুণের বাণী সভ্য কর রসময়। कथन अयात धनी कतिएश भागन । क्षिणात्व आगमात्थं कट्राम विख्या

कथन भारे ते लीन वाहिएतर वास ।

क्रेनरभ कर करने यामिनी भाराहात ।

क्राति कार हित मर हती प्रमान ।

राम गाँच पाथ करि वहन ।

म्भ व्याप्यया हम भरून कानता ।

मरमावार्थः याद वर्म स्माल मन्ति ।

श्रीनटः मधीन नानी क्रिक्स स्माती ।

भूत व्याप्तवर्थः हता मह मर्गती ॥

ना व्याप्तवर्थः हता मह मर्गती ॥

नम भाराह मन्ति मन्ति हता किर्ति ।

विद्रामिन सम्मान किर्नि किर्मिन नाम ।

मार्क्तक महमाशास्त्र हेमक भन्नियाहारह जिनाह प्राथमकः।

এগানে সার্গের সাধু ইদকে লইনে।
প্রেমানকে মিশরেতে উত্তরে আদিয়ে।
নগরেতে প্রচার করিল সদাগর।
বিকাইতে অপরূপ একটি নুকর।
পে রপের ভূলা নহে কোটি শশধর।
কলে রমন্ত্রীয় অভি নুরীর কিশোর ।
নগরবিনাধী যত ক্রিকে ব্যান

ट्नकारम उउछानि मंगत्रमागती। ইসফে ছেরিতে তারা যার স্বরা করি॥ त्यांक्ष्ठि क्रेंद्रेस मत्य हेमरक प्रिश्दित । এখ দুক্টে অনিমিকে রহিক চাঙ্গির।। কাহার বাছনি বে নিছনি লয়ে মরি। আহা মরি কার কোল পুন্যময় করি। এবে**সছে কাহা**র সহ আহে। মরি সরি । আহা সবি একপ করিয়ে নিরীকণ বাইতে গুহেতে আর না চলে চর।। গুহেতে বাইয়ে ছার পতির বদন। ইচ্ছা নাহি হয় আর করি দবশন ! এইৰূপে হাটে মাঠে বেখানে তে শোনে **छिल्हा अ शह भारत हे मक मर्गाम ।** श्वेत यक थन हिन लाग्न यक्ति है। ভাষা তাড়ি যায় মবে ইসফে কিনিতে। নুপতির ভাট এক করি আগমন। हेमाफद बग तम कदिन नद्रभन। অমনি ধাইরে গিয়ে রাজার গোচরে। কহিতে লাগিল ভাট যুড়ি ছুই করে ।

छाउँकर्कृक हैनएकत्र बंश वर्गन।

अब अन मत्राप्ता, क करा कहित कांध.

ে ৰূপ করেছি হরশন।

কিনি মত তারাণতি, মানেক নাধু শংহতি,

आत्रिहार मान अक वन।।

বিংকার আহার কর্পা, সগতে সতি সমূপ,

হোর শোভা শৃশ্যর ক্ষীণ

जाहे कलाइड इटल, तट अंतरमण्डल.

क्टाक्स करंत हिन पिन ।।

द्वि अ त चक्त्र, छाडि क्तम पनु.

नत्नाष्ट्रः १६ हाराङ चनकः।

দে ৰূপ মাধুরী হোঁক কাম কল পরিবরি,

अधिकेत्व अप्र केष्ट अस् ॥

कुलमा जीत तरह, नियां रहता भिटामर,

वर पूजा कति आहत्।

नजून धाउक लाएा, बनाएका महमाहनाजा

भहाताल स्टब कि काइन ॥

विधाण नास निनी, शिष्ताह मूर यानि,

केन्द्रीवद्दं नवन व्रक्षन

নহায় অপ্রাজিতা, কেশ গড়িয়াছে ধাতা,

कूम भूट्या खुडाक्र मनम्।।

বালু নি নিয়ে অধন, নিশারেছে শৃথিকর,
বাহুদ্র সূপাল লাইছে :
লাইয়ে চম্পককলি নির্মানোছে দশাল নি
পাদগন ভলপত কিলে নির্মানোছে দশাল নি
ভেমন কপতে শার, নিজুমনে কেলা ভার
কপেতে গোলির স্ক্লেমন।
গেচিবারে যে দশবেরে, এনেছে তথ্য নগরে,
এই নিরেসন জিচরানে গ

্ভেলেখার উপৰনে হেচ্ ৬ ইমফের সহিত দর্শন।

এখানে আলেক সাধু ইমাকে লাইছে।

নর্মান নূপ কাচে উত্তরে আসিরে।।

ইসকের কপ খেবি মোকি বাক্তম।

এক দুকৌ নরপতি করে নিরীক্তা।

কহে সাধু ভূপ প্রতি যুড়ি ছুই কর।

কিরুর করিব আনি ইসক মন্তর।।

শুনিস্থে ভূপতি কর মধুর বচনে।

বিক্রয়ার্থ লয়ে যাহ প্রকাশা আপণো।

যত মূলো বিকাইকে ইনক রতন।

ভাহার দিশুন আমি করিব আশা।।

श्रुविदश इद्रिय जांधु कविन श्रमन । हेमरक किबिएल थात यह महाजन ॥ विह्रिकिनी हा कदावा अर्थापन कानपन। বনে বনে এনে প্রাণপ্রিয় অন্বেবণে !! অভিশয় মানেছির গহ্ম কানন নান বিধ কল ফুলে জাতি স্তলোজন !! ানাজাতি বৃক্ষ শোভে অতি মনোহর। কোতিশা বেগকিলা কুল বসি ভছুপর ॥ সকলেতে একভেতে মিলাইয়ে স্বর বিরুদ্ধ পঞ্চ**য**ের বংগ, পঞ্চশর ।। কত ফুল বিফ্শিত মেলিয়ে নঘন : ৰূপদা যুৱতী প্ৰতি যুৱক যেনন !! সুটেছে অপরাভিত। কি শোভা ভাষার। কুমারীর কেশ দনে ভূপনা যাভার 🛚 नद्रशत्द्र यूकिशाह रक्ष भाष कुल। अभवाद भूथं मन्त्र सान ममजून ॥ ফুটেছে কদম পুষ্পা অভি স্থানোভন। गांव उटल की का करत उटकल नक्तन । কুটেছে মাধবীলত। মরি কি বাহার। যার স্পর্কে প্রেমার্থর উথলে রাধার। অগণন চম্পাক ফলিকা মুকুলিত। তুলনা বাহার হয় অকুলি সহিত।

এৰপ ব্ৰের শোভা সন্দর্শন করি। পতির বিরহানলে কাতর স্বন্দরী ॥ करह मिंद रक्त स्थारत निरंश अनि वरन দেখ ৰত ফুল ওই তীক্ষু বাণ হানে। ভাহে পিক কুছ স্বরে ত্বালায় শরীর। ওন্তুন্ স্বরে ভূজ করে গো অস্থির। আর সথি কুল মান আমার না রহে। ত সহ বিরহানর কত প্রাণে সহে। বলিতে বলিতে আসি বিয়হ মনঃ। প্রজ্ঞালত করিল দিও। কবি বল। মন বন অবিলয়ে দহিতে লাগিল! विषम जानाय शीता मुम्हि जा स्ट्रेश u কড কৰে পেয়ে জ্ঞান উন্মাদিনী প্রায়। ভাবেতে ভাবিনী অংখিনীরে ভেনে যায় 🖟 কহে ওহে প্রাণপ্রিয় তব প্রেম আনে। চিরকাল ছুঃধে গেল মূত্র অবশেদে। **जामिक जनता निक (मन् शालाहेत्य्र)** পাইলাম এত কট তোমার লাগিয়ে ॥ देनव वानी अनिवास छुट्टे छिन वाह । তাহাও হইল মিথা। কপালে আমার॥ थाकिए भतान यनि ना त्भनाम खारन। কি ফল হইবে সখি রাখিয়ে এপ্রাণে।।

চল চল চল मश्चि हल (शे खबन। এখানে থাকিয়ে আরো ছলে যে দ্বীবন নাথের বিরহ বিধে ইয়ে জালাতন। हिल्ल उदान भनि नह मधीशर ॥ इमक कुम्मत १३ विकस यथाय । भशीमह इक्तराजी आहेल उश्रह । अङ्ग ममाद्रारु (मर्थि (जल्था उथन। ছিন্দালে স্থাতির নালা হরার করে^{ন এ} क्षभी द्वरती अक स्टारम अदीना। হাসিয়ে বালারে কর প্রফুল বদনা। মাজেক নামেতে সাধু আদি এই দেশে। বিক্রন্য করিছে সেই ভাব নিঞ্চ দানে 🛚 তাহার ৰূপের 'মানি দিতে নারী সীমা। क्कांकि मन्द्र बाद द्यां डीहात भूष नगा न শুনিয়ে কহেন তবে জেলেখা স্থলরী! पिश्वर मारमरत जामि अम महत्ति।। শান্ত চল সথি আর বিলয় কি জনা। দেখিব কেমন সে দাসের স্থলাবণ্য !! এত বলি রাজবাল। করিয়ে গমন। দূরে,হতে ইসফে কবিল দরশন।। बिहीक्ष कहि धनी अभरनेत धन। ভূমিতলে পড়িকেন হয়ে অচেডন।।

স্থীগণ ভূলিল করিয়ে ধরাগরি।
আলু থালু হয়ে অতি উঠিল হুজরী।।
কুমারীর প্রতি কঁটে সহচরীগণ।
অচেতন হয়েছিলে কহ কি কারণ।।
শুনিয়ে কুমারী কহে শুন সহচরি।
বার লাগি কাঁদি আমি দিবস স্থারী।।
যার প্রত্যাশাতে আমি মিশরেতে আদি।
ওই দেও দাঁড়াইয়ে সেই গুণরালি।।

ইসফ দর্শনে জেলেখার মনোত্রঃখ।

সঙ্গিনীর হস্ত ধরি, বিনয়ে কহে স্থন্দরী, যায় নিশি মন উচাটন। আহা আহা মরি মরি, দেখ দেখ সহচবি,

এই দেই স্বপনের ধন॥ করি যার প্রেম আশ, ত্যক্সিয়াছি গৃহ্বাস.

ভ্রমিতেছি কাননে কানন। আহা আহা মরি মরি, দেখ দেখ সহচরি,

এই সেই স্থপনের ধন।।
মিশরেতে যার আশে, আমিয়াছি প্রেমাবেশে

পाईवादत शार्वत त्रजन।

আहा आहा यति मतिः तत्थं तत्थं तहहतिः अहे त्महे चुशतनत् धनः॥ याहात दित्रहानमः, सर्वानी हत्तु अवतः.

यनधान कति ।

আছা আহা মরি মরি, দেখ দেখ সহচরি,

नहें **(म**हें र्चशहस्त्र धन १

মা**হার প্রেমে**র দায়, বি**জ্ঞার গিতামা**তায়,

ক্ষান্তরে করি আগমন।

अ। हा च। हा प्रति सहित (पर्श (प्रश्न अङ्ध्रि,

५१ **(सर् ५१) न**ः ४२॥

যার আজা অরুণারে, ব'লেছি আজিজেরে,

माना कवि सार्ति तहनः

আহা আহা মরি মরি. দেখ দেখ পহচরি.

१ अर्ह जुलातर वन ।

भग ऋषि भाषाभरमः वमाई**रत्र** त्याई छत्यः

मितीकन कांत्र असुकन।

আহা আহা মরি মরি, দেখ দেখ দত্তরি,

4हे (महे स्थानंत धन ॥

करें बाल खनवजी, काइ मकाजात खिल

নির্থিয়ে স্থপনের ধনে

लाव रहित मधीनन, প্রবোধ দিয়ে তথন,

লয়ে যায় আপন ভবনে ।

গৃহহতে আসিয়ে ধনী, ভাবে কান্ত গুণদ্ধি,
বক্ষ ভাবে নয়নের নীরে।
হেনকালে কুলবাণ, করে ধরি কুলবাণ,
হানিল বালার কলেবরে।
পাইয়ে বিষম স্থালা, আহা উচ্চ করে বালা,
চলে পড়ে অমনি ধরায়।
নিঃশ্বাস হইল স্থির, শরীর হইল ধীর,
স্থীগণ করে হায় হায়॥

আজিজ কর্তৃক ইনককে ক্রয় ও জেলে-খাকে সমর্পণ।

কতকণে পেয়ে জ্ঞান কছেন সক্রী।
আজিজেরে ডাকি নোরে নেই সইচরি।
সমিনী বালার বাণী করিয়ে অবণ।
আজিজের নিকটেতে আইল তথন।।
করবোড়ে আজিজেরে সহচরী কয়।
বারেক জন্দরে চল ওলো মহালয়।
যুবতী কাতর অতি কারণ না জানি।
চল চল মহালয় দেখিবে আপনি।
ভানি সন্ধিনীর বাণী আজিজ সম্বরে।
উপনীত হইলেন জেলেখা গোচরে।

व्याजिटक किथिए। कर स्थारखनमे 🗀 এক নিবেদন মম শুন গুণ্মণি 🛭 অপর্পাদাস এক প্রকাশ্য বাজারে। বিক্রম হলেছে ভারে কিনে দেহ মোরে ॥ শুনিয়ে আছিজ কছে সে কি কথা প্রিয়ে কেম্বে ছাহারে সামি দিব হে কিনিয়ে h ইবতের কপে মুগ্ধ নূপ মহাশয়। কত ধন আছে তব করিবে হে জয় 🖟 ताला क्ष एक नाथ मम निर्वतन। নৃপ্তির কাছে তুমি করহ গমন ॥ करे कथा नृशिख्दर वन वुकारेद्र । জেলেগা কাতর অভি দাসের লাগিয়ে । এদীনেরে কৃপ। করি প্রফুলিত চিতে। অনুমতি দেহ নৃপ **ইদ**ফে কিনিতে। এত विन विस्तापिनी नार वर धन। আজিতের করেতে করিল সমপণ। গুনিয়ে বালার বাণী আজিজ তথন। उपनीए इक्ट्रालन यथाम् ताकन ॥ व्यामा बाह्य नृशिहिद्ध निरंदमन करते। অনুমতি লইয়ে কিনিতে বাম ছারে। द्रनकादन रेमच वागी इस **अक्किए**ड । हेमक वाडी ७ १क इ मा शांत्र समिट ॥

रान (त हैमक बीत धंद (त वहन । 🕚 थालिए अत गर जूनि कत्र गमन त्य थन अरशरह याशू किनिएक टकामादत। माधुवदव मिरत योश **ख्वरणथी** পৌচदवी শুনিয়ে আকাশ বাণী ইসফ স্ক্তন। সাধুরে অর্পিল আজিজের দত্ত ধন 🕦 রাভিমত ক্রন্ন করি আজিছ মে**শর**া शुरुद्ध सहेद्य हाल हेनस ख्रान्त ॥ ফেরেগার নিকটেতে করি আগস্থ। ত আ সাতে মৃত্তরে রন্ধীরে কন গ যার লাগি হযেছিলে অভান্ত কভিন इं हाइ उठ (मई हेमक सुमाई। বাখিৰে ইহারে প্রিয়ে মতি যতনেতে এই বলি বীরবর যায় বালিয়েতে 🖰 প্রিয়ের মূবতি হেরি প্রফুল স্তন্দরী: डेथिटादा डेठिन अमनि ध्यमधाति ।।

ইসকের প্রতি জেলেখার উজি। নিকটে পাইয়েরামা স্থপনের ধনে। এক দুটে বিনোদিনী দেখেন রমণে ॥

ৰূপৰতী ভাৰন। করেন মনে মনে। বছ ভাগ্যে পিতামহ মিলায় এ জনে ! কত পুণা করেছিমু জন্ম জনান্তরে। डाई विधि इस्न निधि घोगग्र आमारत ॥ এত বৃহ্নি विज्ञानिनी **लहेर**स तुमरण । सर्दर्भ या**जर्व** साकार स्ट्रा ॥ যতে রতুসিং**হাসনে বসাই**য়ে নতী ! নাবাবিধ মিউরু**নে তোবে প্রাণপ**তি # महङ्गी कुदे भादन हामत हलाय। কি কৰ দে শোভা যেন ব্ৰজে শ্যামরায় 🛭 সংহত্ত্ৰী কৰে বৃদ্ধি কৰে জেলেগা बारे (मन महरुति सम आपमधा । उसे भग इंडि गांठ अहे छा पश्छि। একান্তে ও পাদপতে নঁপিয়াচি মতি দ धारे या भाग स्मान धारे धियक्त। ইহ'বে সংপাছ আমি ছৌবন বতন 🛭 এই মম প্রিয়ত্ম জগত সংসারে। ইহার কারণ জমি দেশ দেশান্তরে 🛭 বলিতে বলিতে রামা কামশরানলে। নহন হইয়ে প্রাণপতি প্রতি বলেঁ। তোল ভোল বিখুমুখ হে বিশ্বন্ন। বাঁচাও ব,লায় নাথ দহিছে মদন।।

সপ্তম বুৎদর যবে জামার বয়েশ। তখন স্থপনে দেখি শুন ক্ৰছেশ 🛚 এসপ্ত বৎসম প্রাণ বিরুহে তোম বি জর জর হল তমু কি কহিব আর ! কমল নয়ন মেলি চাহ প্রাণপ্ত। ক্লপা ৰাবি বৰিষণে বাঁচাও যুবতী। প্রশাকান্ত কর শান্ত বিরহ বেদন। আরু না সহিতে পারি ওছে প্রিয়জন। অাদন্তি অনলে দেহ জ্লিচে সামার। তোম। বিনে সে জালা নিবায় সাধ্য কার । এৰপে ৰূপনী খেদ করিল বিস্তর। ইপফ নিষ্ঠুর অতি না দেয় উত্তর 🛚 পুনঝার করে ধনি প্রেমের আবেশে। तह बाथ कथा बाहि कह लाह मार्य है করেছি কি অপরাধ চরণ কমলে। কেন নাহি কথা কহ বিধ্মুখ ভুলে। তথাপি देनक किছू साहि करह कथा। অন্তরেতে জেলেখা অনস্ত পায় ব্যথা 🖁 এইরপে ধনি পুন সপ্তম বংসর। ইসকের সঙ্গে রহে তুঃখিত অস্তর। তথাপি মিলন নহে আহা মরি মরি ৷ व्यामिक व्यनत्म युक्त (करमर्था सुनमती ।

Mo .

हेमाकत निकंड काल्यात

मत्निकृश्ये!

, याद्र अस निरम, खादाका महीरम हेशाक विनास करा। गम निरंतमन उँ तिध्तमन, তে বাল বসময় ট मधायाचा रानी, कह अनगति. যুড়াক তাপিত প্রাণ। धार श्रियसमा. वैकार औरन, (अगर्वात कति मान । धि कुलवान, शाद्य कुल दार्थ. (मर्थ (मर्थ ज्ञम्भ्य । तीकाल बालांस, नटशे धान यास, মার জুখে নাহি সয়॥ মল্যা সমীয়, জালায় শ্রীর, প্রতিকৃল গিককুল। তবে কি হে প্রাণ. বাঁচিবে এ প্রাণ. তুমি হলে প্রতিকৃল । ভরদা তোমার, কেহ নাহি আর

বাঁচাতে বিরহ বিবে।

निषय **रहेरण, इलना करिएल,** जनना वाँक्टिन किरम ।

अ रह खानाविक, कि कर जविक,

महि रू मनन राटा !

थागांक जनराल, नमा खान करण,

नास नरह रहामा दिरम ।

विवह मांगरात, करा जात हारत.

তোন। বিলে গ্রাণ্পন। বিরুষ স্থালায়, তন্ত ছুলে গ্রায়, : গুলোধ না সানে মন।

কেলেখার প্রতি ইসদের উক্তি, এবং

নথীর ইনককে প্রবেশ প্রদান।
কেলেখার কথা শুনি ইসক ওখন।
হত্তমরে কহে যেন পিয়ুষ বন্ধ।
শুন শুন বিনাদিনি মনে ধৈর্যা ধর।
এদাসের লাগি কেন হতেছ কাতের।
পরি পায় রূপান হে ক্ষমা দেহ মোরে।
প্রাণাত্তে ভাজতে আমি নারিব ভোমারে।
কখন না দেখি হেন কভু নাহি শুনি।
দাসেরে ভজনা করে হয়ে ঠাকুরাণা।

यमाशि टेमार्टनम हेट्। उद आवनाथ ! यमनि উजात कतितृतन यम नाथं। অত এব কম। মোরে দেহ গুণৰতি। কভু নাহি ছ পা রুহে পিরীতি কুরীনি। পতি প্রতি রখে মতি কর তাঁর সেনা। हेट्। दिस्न दमगीत भन्म आत किया। ইমকের লাগী শুনি জ্যোলখা যুবতী। কর্ষোড়ে সবিনয়ে করে পতি প্রতি । ভূমি মম প্রান জ্ঞান তুমি মম পতি : এক।% ও পাদপতো সঁপিয়াছি মতি।। তুমি মম বতি গতি ওছে প্রণেধন ! আজিজে ভজিতে হলে তাজিব জীবন । हेमक ट्राइन चूमि उक्ष वा ना उक्ष। প্রাণাত্তে নারিব আমি করিতে এ কাজ। अभिन्य क्षेत्र वांगी क्षित्रच्य भूर्य। उद्यायाट १८६ त्यस कूमाहीत दुत्क ॥ পাইছে সখীর কাছে করিয়ে গমন। অহারা হইতে ধীরা করতে বোদন। वटन मधि भा**भ खान जा**त नाहि तटहा अियलम हेनक **जामा**त्त्र नाहि हाटह ॥ বাঁচাও গে। প্রিয়স্থি মিলায়ে তাহায়। নতুবা এ পাপ্ প্রাণ রাখা নাহি যায়।

এত বলি সঙ্গিনীর ধরিরে চরণ আসস্তি অনলে তালি করেন রোদন গ সঞ্চিনী বাসার ভাব করি নিরীকণ ! ইসফের নিকটেতে করিল গমন 🛊 व पृष्टे हलुदा धनी नाना छन। स्नातन । বিনায়ে বিনায়ে কহে ইসফ **স্থজনে** ॥ নবীন বয়স তাহে ৰূপেন তরঞ। (कन नाहि हेक्ट डाई भादी व्यक्त मक्ता। ৰূপদী যুৰতী অতি জেলেখা নবীনা। বিদ্যাত জিনিয়ে ৰূপ চন্দ্রনিভাননা 🛚 তোমার আবেশানলৈ হয়ে স্থালাতন। ্ধরায় প্রতিয়ে ধনী করিছে রোদন। দপ্তম বংসরে ধনী ভোমারে স্থপনে। নির্থিয়ে তদব্ধি ছলে মনাগুনে 🖟 ত্ব লাগি বিরহে জ্বালার প্রাণ মম। তব লাগি অকে নাছি রাথে অভরণ। ত্ব লাগি ভাদে দলা নয়নের জলো। তব লাগি নিরস্তর অঙ্গ তার স্থানে॥ তব লাগি পড়েছিল বেড়ি যার পায়। উচিত ভজিতে তারে ওঁহে রদরায় 🛭 শুন হে ইসফ বলি রাথ মম বাণা।। কৌতুকে করহ ক্রীড়া লইয়ে কামিনী। रुमात्र रुपर दाशि सुप्रां कीवन। নিরন্তর দে ভোমারে করিবে যতন ! এৰপ ছৌবন ভাই দিন ছই চারি। जा**ई** विव कर कीए। लाख (मई नाडी । যেত্ব যুধক ভূমি তেমনি যুবতী। উভায়ে থিলিবে শেন রুভি রুভিপতি। डेमक कर्डन छन छल्। मस्ठिति। **७ ऋत्यं** अध्यक्त आधि हहेवादत नाहि । ∗ান নহত্ত্বী কয় একথা কেমন i একথা শুনিলৈ ধনী তাজিবে জীবন 🛭 काउता युवडी व्यक्ति ८३ (४ मानाजः भी उस कर्म जादत प्रमान विस्ति । এইরূপে ইসফেরে নানা হয়। করি। कहिए जालिल अल अथा मञ्ज्ती ॥ हिटो कारे। एड अब करकर क्रिन। তথাণি ইসফে বশ করিতে নারিল।

> ইসকের অসম্মতিতে জেলেখার মনোচুঃখ।

সঙ্গিনী আসিয়ে বলে শুন গো জেলেখা সম্মত নাহিক হয় তব প্রাণস্থা !

मिक्सीत्र भूर्य हेटा छनि ताकताला । অস্তরেতে প্রেমাগুনে হল বড় জালা । अजनसहरत करह कारनथा अन्हरी। বল বল প্রিয় স্থি উপায় কি ক্রি ॥ দারুণ বিরহানলে দেহ জালাতম। क्यात्व वै'किय मिश्र मा शता विर्वास ॥ P°শিতেছে বিচ্ছেদতুজ্ঞ সর্ব্যকায়। হল প্রাণ ওঠাগত বিষম জালায়॥ কেমন কণাল মোর রুঝিতে না,পারি। গুছে কান্দ্র প্রাণ সম্ভ তবু সহচরি॥ क्किपी धार्न सुष्ठाहैव आंटनंटनंत मह। বিপরীত করিলেন তাহে পিতামই ॥ দাসী হয়ে নিরম্ভর সেবিলাম তায় ৷ তরু সে নিদরি কান্ত আমারে ন: চায় ॥ যামিনীতে একতেতে শহনেতে থাকি। सारस काछ नाहि हात्र भावि कृषि अँथि। বলিতে বলিতে নিশানাথ হল গত। ভূমিতলে পড়ে বালা হয়ে জ্ঞানহত। ্চৈতন্য পাইয়ে শেষে করেন রোদন : ভাসিল নয়ননীরে অঙ্গের বসন 🎚 প্রবল হইয়ে মনে আসক্তি আগুন। দহিতে লাগিল বল করিয়ে দ্বিগুণ।

यगिन नगरी (श्रांभ एहेर्ड्स विस्त्रणा । নাথের নিকটে মায় থেন মাত্যালা। **थ्यभारतरम् विस्मितिने क्रियम् यलन**ः বাছ পদারিয়ে নাথে করিল ধারণ । সম্নি ইসক গীর হায়ে নতানন। महर्षे अधिता करत स्थात सात्री गरकार्ग भारत अहान भा होरा कुलती। বিন্দ করিয়ে ক**ে** কান্ত করে ধরি। কর ভাগ ওছে প্রাণ বিবৃহ জ্বালায়। नस्या ज भाभ आप द्वाचा नाहि गहा। অলিভেছে কলেবর বিরহ দহয়ে। কর শান্ত প্রাণকান্ত প্রেম স্থা দারে ট তোল ভোল মুখুশশী কৈওনা নিদয় ৷ কতিরা কামিনী বাতি কেখা রুমময়।। क्यांशि देशक नाहि (छाएन हस्तानस) নতাননে করে গীর ঈশ্বরে শ্বরণ।। এইৰং ে গভ স্থা কতেক অয়ন। সাসজি অনলে বালা খুলে অনুক্রণ।

জেলেখার বিরহ বিকার বর্ণন ।

এই ৰূপে বিনোদিনী, নিরস্তর বিধাদিনী,
প্রিয় সহ মিলন কারণ।

करु हमा कला करत्र. ष्ट्रनाहेट श्रांतश्चर्द्र,

ভাছে কি তাছার মজে মন।
যামিনীতে একত্রেতে, স্বর্ণের পালক্ষেতে.

্ করে দোঁছে যাদিনী যাপন। বুম নাহি জেলেখার, সর্বদা ভাবনা তার,

किरम स्थारय खार्शस्त्र यम ।। छेठि केल तमवर्जी- धित्रमिकनी मध्यस्ति,

মৃত্যস্বরে নানা গান করে ৷ নিচ্ছিত রম্পে ধরে, কণু আলিছন করে,

কভু করে বোদন অন্তরে। এই **রূপে** গুণবর্তী, অত্যন্ত বিষাদ মতি.

ক্রমে রৃদ্ধি শিরহ বিকার।

नारक दमन पृथ्य, मित्रानिम कालाउन निवाधाता हरक नीत्रधात !:

एतनंबवनी दाला. शाहेरस विषम दाला.

ক্রমে কালীবর্ণ হল তার।

ধিক ধিক ভোৱে বিধি, এ ভোর কেমন বিধি,

পরাণ মাশিলে অবলার।। পিরীতের গুণ যত, তাহা আমি কব কত,

যে বুৰেছে প্রেমিক সে জন।

অবলা সরলা বালা, পাইয়ে বিষম জালা,

বুঝি যায় শমন সদন।।

4

নৈত্রে ললা জল ঝারে, বল নাহি কলেবরে,
পাগলিনী রাজার তনয়ঃ!

বলে কোখা ভগবান, বালার রাখহ প্রাণ.

প্রাণেশের সহ নিলাইয়া॥
এত বলি বিনোদিনী, যার যথা গুণমণি,
অচেতন গৃইয়ে নিদ্রার।

প্রানেশের পদ ধরি, বিনারে করে স্থানবী।

চক্ত্রীরে বক্ষ ভেসে যায়।

নিদ্রা তাজি ওছে প্রাণ, রাখ অধিনীর প্রাণ

नट्ड यांड्रे गंभन अमन ।

्रामात जार्यस्थान्त्व, मनः (मति जक्र कृतनः

नित्युत नक्ष इत मन ।

বিরহ সাগরপারে লয়ে যেতে কেবা পারে

ভোম। বিনে ওহে খুণরাশি।

নিদা তাজে প্রাণ্ধন, পুড়াও দে প্রাণ্ধন,

নহে বধ ধরি তীক্ষ, অসি।

প্রাণ ফ করে আমার অনো কি জানিবে তার

সে কথা ক**হিব আমি কা**য়।

ভেমা বিনে পরিত্রাণ, কে আর করিবে প্রাণ,

এই স্থানা জলে কি মুড়ায় ॥

ভোমার প্রেমের হেতু, বাঁথিরে ধর্মের দেতু, ভব বাকেঃ বিশ্বাস করিয়ে। ' মা বাপেরে পরিষ্ঠার, আজিকে পতিছে বার,
আছি হেথা তোমার লাগিরে।।
এইরূপে স্ববদনী, বেন মণিছার। কণী,
ভাবে সদা নয়নের জলে।
ইসক নিদয় আত, না চাহে কামিনী প্রাডি,
ভাল মন্দ কিছু নাহি বলে।
কো কালে নিশাকর, ক্রমে হয়ে গানকর,
অভাচলো করিল গমন।
এক।শিয়ে নিজ কর, হয়িবে ভাহার পার,
বিনকর প্রকাশে কিরণ।

en spelinder gebieber

সপ্রম বাসর নির্মাণের উদ্যোগ

কাত্রা স্থকরী স্মতি নাথ অন্নিলনে।
নির্ভঃ দহে দেহ আসজি আগুনে॥
কেন কালে এক কুলা নগরনিবাসা।
জেলেখার নিকটেতে উপনীত আসি॥
সূল্পিত প্রোধরা তরু নানা বেশ।
বয়সের অন্ত নাই শুকুবর্গ ফেশ॥
কাচলিতে ভন আটা কত ছটা ভায়।
যুবক যুবতী এক ফণেতে ভুলায়॥

ধীরে ধীরে নিকটেতে করি আগমন। मृष्ट चटत्र कुन्नाद्वीदत भविनदत्र कर्ना। কি ত্রংখে ছাইখার ত্রি কছ না কারণ। কেন কেন দেখি তব শুষ্ক চন্দ্রানন। মনিহারা ফশি প্রায় কেন গো স্থান র। অঁথেনীকে ভাসভেঁছ দিবদ স্ক্রী॥ লে তথ জংখ ভাগে কাঁবিৰ মোচন। দ্যা ছইনেড্ছে তব দেখিয়ে বদন ॥ ্ৰান্যে জেলেখা অতি হৰ্ষিতা হয়ে। প্রবীপার প্রতি করে অতি সবিময়ে।। ওট দেখা পালায়েতে ৰূপ মানেত্ৰ। উচার আবেশান্তে জুলি নিরন্তর। সপ্তম বংসারে ভার্তি ক্যানে স্বাপ্নে। নির্থিয়ে তদ্ববি ছাল ম্নাগুনে 🖫 नग्रन नग्रन योप दश (त्रः मिलन । चागमि ও छापश्चि किवास नगन ।। আমি কত কথা কহি ধরিয়ে চর্ণ। भग প্রাণনাথ থাকে হয়ে নতানন।। সপ্রম বৎসর ওই প্রাণপ্রিয় সহ। উভয়েতে একত্রেতে থাকি অহয়হ।। কিন্তু নাথ মুখ ভুলে কভু নাহি চাহে। বিষ্য বিরহানল কত প্রাণে সহে॥ •

বাচাও আমারে তুমি করিমে মিলন।
নতুরা দেহেতে আর রহে না জীবন।।
শুনিয়ে প্রবীণা কহে এই কোন কাজ:
ছলেতে তুলাতে পারি যোগীর সমাজ।
কিন্ত বাছা ধন বিনা কোন কর্মা নয়।
ভেবে দেখ বিনোদিনি ধনে সব হয়।।
জেলেথা কহেন মেয়ে শুন বলি সার।
মিলাইতে পার যদি ধন কোন ছার।।
বুদ্ধা কহে দেহ ভবে ধন অপ্রমিত।
সম্বরে করিব সপ্র বাগর নির্দ্ধিতা
নানাবিধ চিত্র অগনি করিব বছন।
গ্রিলে হইবে মুগ্ধ খুব্দের মন।।
এত শুনি বিদোদিনী লয়ে বহু ধন।
প্রবীগার করেতে করিল সন্প্রা।

मुख्य नामत निर्माण।

বছ ধন পেরে কৃদ্ধা হর্ষিত চিত্ত।
চলিলেন সপ্তম বাসর নির্দাইতে॥
নিয়োজিল শত শত কর্মচারিগণ।
নির্দাইল সপ্তম বাসর স্বশোভন॥

"\$2.

রতনে মণ্ডিড লাভ গৃহ লারি নারি। তার মধ্যে করিকেক কত কারিগরি ॥ নানাবিধ চিক্ত কৈল অতি মনোধর। रेंगक दि हात भार भुनित जास्त ।। প্রথম পুহেতে চিত্র করিল স্ফর। জেলেখা বসিছে যেন সহ প্রাণেশর। भूरच भूरण वृद्ध वृद्ध वृद्ध विद्युख्य। করি নান। রদে কেলি যুড়ায় অন্মর।। মানিনী জেলেখা অতি নিব্যি নাগ্ৰে: নাগার দাদেন গরি প্রমুদার করে॥ বিতীয় গাংহাও চিত্ৰ ফরিস প্রবীনা। উन्क्रिमी निजाशकः। इक्षांवर्श महीमा॥ দেন কালে ইসফ করিত্রে আগগ্রম। বলেতে ধরিনে ভারে দিছা আলিঙ্গন 🖰 कुडीस भूटबट हिल क्रिक यस्ट्र : . हैनक (जालक्ष) (यन विन এक) मान ॥ নানাবিধ মিট ব্দে করেন ভোজন। ভোজনাতে সুরতে মাতিল ছুই कर।। চভূর্থ গ্রহেডে চিত্র করিল স্থান্দর। পালকে বসিয়ে যেন নাগরী নাগর ।। ध्यमार्वरण नागत धतिरत नागतीरत। কাঁচলি ছিড়িয়ে কেলে উলঙ্গিনী করে। পলাইয়ে বেতে চার জেলেখা যুবতী। প্রিয়ারে ধরিকে শীঘ্র প্রিয় চাত্তে রঙি 🖟 করিল পঞ্চম গৃহে চিত্র চমৎকার। প্রেয়দীর সহ যেন বদি গুণাধার ৷ উভয়েতে একজেতে প্রেমের আবেশে युष्ति एक भगः व्याग मनमश हरम । यके दामातुर हिंक वर्गन ना इश যেন সতী লয়ে পতি স্কুঞ্চে নিঞা য'হ !! গলাগলি করি দোঁতে অপুরু শযার। থোমের আসঙ্গে প্রতান্তে নিজা চায় !! সপ্তম গুছের চিত্র চমৎকার অভি। मान ज्रात जाहि एम कित्या गुक्जा **धीरत धीरत हेनक कतिरत्र जानमन** রমণীর মান ভাঙ্গে ধরিয়ে চবণ ।৷ **उपयुत् निया। हेर्स त्र इतिश्हामन** ! তাহাতে দেবীর মূর্ত্তি করিল স্থাপন ॥ এই ৰূপে চিক্ত রক্ষা সমর্পণ করি। निर्दिष्टि याति यथा (करन्या खुन्निर्दी।। চলিল যুবতী অতি হৰিত হইয়ে। রুদ্ধারে প্রশংসা করে মাসর দেখিয়ে।। (मर्वी मिश्व इत्रविष्ठ त्राकात मिस्सी। পূজা সমর্পিয়ে তব করে বিনোদিনী।।

জন্ন জন্ত মহাদেবি বিপদনাশিনি।

ইসকে মিলান্তে মোনে দেহ গো জননি।

দহিতেছে বিজেদখনলৈ সর্বকার।

মিলান্তে দেহ গো মাতা নহে প্রাণ বার।।

রকা বলে শুন বলি রাজার নজিনি।

সপুন বাসরে খান ছব গুণমণি।।

পুনিয়ে জেলেখা অতি প্রফুল হইরে।

গোলাথে আনিবারে চলিল ধাইরে।।

ইসফ জেলেখার সপ্তম বাসরে প্রেশ।

রাজনালা হাসি নামি, প্রিয়ের নিকটে আনি,
তাহারে সাজায় স্মত্নে।
নানাবিধ অভরগৈ, সালাইল প্রাণ ধনে,
আর থালা লোভে যেই খানে ॥
এই রূপে গুণবর্তী, সাজাইয়ে প্রাণপতি,
করপত্ম করপত্ম ধরে:
গজেন্দুর্গানিনী ধনী, লয়ে কান্ত গুণমণি,
প্রেবেশিল সপ্তম বাসরে॥
প্রথম গ্রেচতে সতী, লয়ে প্রাণ প্রিয়প্রতি,

वम हेटस ब इमिश्हामटन।

क्रवंत्र भटनाट्यांचा द्यांचा वामत स्थाचा-े विद्याप्ति विषयोत्र तमर्ग ।। वि হোর ভাষা ক্রারায়া করে মুখে হার হায় नाम कि कबिटन जगरीन। **८मथ (मथ मुनेहत, मुक्ते कत मा असत,** * त्वदा त्वश्च अमित्वद माने। श्वनितंत्र नाटबंत यानी, मटगाइन्टेब विटेनापिती, শ্ৰেড করে করে নিবেদন। मम मह कृति वाम, शृंबाउ मानीव आन. এ সন্ত বানেরে প্রাণধন। দেশ চেয়ে প্রাণেশ্বর, চিত্র অতি মনোহর, করিরাছি এ সপ্ত বাদরে। क्त मह क्षांवाम, शृत्र हेत मनकाम, নির্ভর বাসনা অন্তরে চ হুমিয়ে বালার বাণী, ডবে কাছ হুণমণি, ভাঁতি নেলি করে নিনীকণ। त्य मिटक हैमल हांत्र, हिल दमशिवादत लाख, অমলি করেন নতানন 🌓 💮

কেলেথা ছংখিতান্তরে, প্রাণনাথ করে ধরে,
লয়ে যাধ বিতীয় বাসরে।
হৈরি চিত্র মনোহর, ইসক অতি কাতর,
ননে মনে খনেন উপারে।

ত্তীর চতুর্থ মরে: লক্ষে বার প্রাণেশবর,

মুধরাজ নালি-তোলে নাথা।
হৈরিয়ে নাথের গতি, জেলেখা ফাতর অতিঅস্তরে অতাক্ত পার বাথা॥
এই কাপে গুণবর্তী, লক্ষে প্রাণপ্রিয় পতি,
ার পৃষ্ণ দরশান করে।

ात १९ रहाना कर्न । जनस्मात विस्तापिती, जुला कांद्र छन्मनि, '८श्रद्यनिज मक्षम वामस्त ॥

> সপ্তম বাসারে ইসক জেলেখার কংগ প্রথমী।

প্রানাবে বদাইয়ে পালকে যুবতী।
কহিতে লালি স্কাতরে ভাব প্রতি।
ত্ব শুন কদ্যেশ হিদ্য় হৈওনা।
অবলা সরলা প্রাণে মাতনা দিওনা।
ব্যামাখা করা কহু যুখশশী তুলে।
কেন কেন প্রাণ্যন নীরবে রহিলে।
ভ্রিতেহে বিচ্ছেদ অনলে স্ক্রিনায়।
নামক্ষল মেলি চাহ এক্যার।
নামক্ষল মেলি চাহ এক্যার।
নামক্ষল মেলি চাহ এক্যার।
নামক্ষল মেলি চাহ এক্যার।

इंगक-दम्बद्धा

নিয়ন্তর চাচ্ছ চকু ও কর্ম দেখিতে। नित्रकृत कांटर कर्न कहन खनिएए। नित्र छत्र ठोटर मूर्य ज्यामुख हृषिएए। নিরস্তর চাহে অঙ্গ ও অঞ্চ স্পার্শতে। নিরন্তর চার্টে কর ও কর ধরিতে। নিরস্তর চাহে হাদি হাদরে রাখিতে। निवस्त्र सीधा आफ्रिक्त अन्त्या । ज्रात (कन मर्ह श्राण एवं तिवरहरू ॥ ইসক কাহেন শুন জেলেখা ৰূপনি। যদ্যপি আমারে বধ বরি ভীক্ষু অসি। তথাগি নারিব আমি একশ্ব করিতে। কেন মিছা ছঃখ পাও আমার পিরীতে। बुलमी युवजी जूमि मय बाल खाल আমারে ভজিতে চাহ করিয়ে কি মনে । ৰাগ ঋণ হীন ভায় হই তব দাস। আমারে ভজিতে চাহ একি সর্বানা । श्रीनात्र प्राची कट्ट कि कहिएन खान । ত্রিভুবনে কেবা আছে তোমার সমান। ৰপদীগাণের বিধি গোরব ভাঙ্গিতে। গড়েছে ভোমারে ভাই বনি বিরলেতে। व्यानमाथ रुत्रि कर ७ विश्वमन । व्यमिलान कान्माती शतित कीवन ॥

ও ভুৰ ধয়ক হৰ ওয় বিষমর। 'रितिटन अधीन रहा काट्यत जिन्हा । हेमक बंदलन के के कि शिय जलवान । ভবিতে নারিব কিন্ত থাকিতে পরাণ 🛭 व कर्रामा ॥ अस्त अर्थ कति छ्रे कत्न। কৰিব তাহাঁৰ ভেৰ**্জন প্ৰনোচনে চ**ু त्यई जम मुख्याद्य आदिम जुदम। ाई छन मृजियाद्व मत अवश्व । एउट्टे कम मुख्यिमारक स्वि मिनामारथ। যেই যদ দেহে রহে জীবাত্ম। ৰূপেতে 🛭 भें। व (अमन्दर्भ मन्। भूमिन् सिट्म । नीत मात्राकारन की दश्य पुता जरम क धात ८७ मत्म (भारत सम्होनिव स्मारी)। ধার প্রেমে পাদিরণ হন সংগ্রোগী ৪ পার প্রেমে পুর শিশু গিয়েছিল বন। বার জেনে প্রহর।দের না হল মরণ। यात व्यम 'यटखगरन खरम नामुनरन । ওপা আমি হয় করি সেই মহাজনে। যে জন আমারে ক্রেকরিয়াছে সভি । জা হয় অতিশয় সে জনেরো প্রতি 🎼 कि कानि यमाशि टमरे दमशिवाद्ध निश्च। निक्श नमनागादत शांश्राद व्हेन्ति ॥

क्षिनित्र नार्थत वारी करह तनवर्छ। কেন প্রার্থ কর ভয় আজিজের গুভি 🗓 মেতো পতি নহে মস ওহে প্রাণধন। ত্ত্র বাকো কবিয়াছি পতিত্ত্বে ২রণ ৫ স্থপনে আসিরে তুমি বলৈছিলে যেই: পতি বলি আন্দিজেবে গরিবাদি তেঁই চ विधारक विदेश कर्षा । इसेट्र विकरणा । ইশক্তের করে ধরি কলে বাছতালা ॥ আলিঞ্চন দেহ সোঁত্তে ওলে প্রাণ্পত্তি ल**हित्छ जा**रतमाभल वाँडा १ मुन्ही ॥ আর ডঃখ ব্রম্ম দিও মা ব্রল্ম। कि चाद कहित अ। १ ४ ति उत दे भाग । **ट्रांग ट्रांग** निषम्यं ५८० त्राम्सः রাথা রথে গুণমণি দানীত বিনয়।। हेनक कट्टन अन किट्नश करात्री । এই লছ গলে মম দেহ ভাক্ত ভাবি : (कत्वर्था जत्वन नार्थ अक्षरी (कमन) यामि चार्या गत्न यमि कृदि ममर्थन ॥ এক বলি ভীফা খেসি কৰিয়ে পারণ : আরোগিল গলদেশে করিতে ছেদন । पिशिया है भयः भीव जाशिक कें। भिट्ट। ত্রস্ত হয়ে ধরিলেন কেলাখার হাতে !!

বিনয়ে বালার প্রতি লাগিল কহিতে।
মরিবে কপনি কেন তীক্ষু অসি ঘাতে।
আনি কেন চল চল পালক্ষ উপরে।
কহিন্ কপনি মতা ভলিব তোমারে।
মানয়ে জেলেগা অতি হয়ে হর্ষিত।
আনি কেলি যবরাকে গরিল অরিত।

ইসফের সপ্স বাসরহইতে পলায়ন।

বিনোদিনী নিদোদেরে করিয়ে থারণ।
তবর্গ গালকোগারি বনিল জলন।
আন্সতে আছিল তার বিচিত্র বসন।
তাহাতে দেবার হার্ছি কৈল আছাদন।
দেখিয়ে ইনফ করে জেলেখার প্রতি।
বাস্ত্র তিবা আবাবিলে কহ গুণবলি।
জেলেখা কলে। শুন ওহে প্রাণধন।
এখনি হরতে মোরা নাতিব হুজন।
এই হেনু গৃহের দেবতা আছাদিন।
নিধান নাহি কহি নাধ স্বরণ কহিনু।
শুনিয়ে ইনফ দীর করেন রোদন।
ক্রেল্খা কহেন নাধ কাদ কি কারণ।

কাতরে ইমফ করে করিয়ে জন্দন। किरम जार्गतिय जामि अञ्च निरक्षम म जाशाकर्भ मक्त घटि इस यात हिला কেমনে তাঁহারে আমি আছাদিব দতি । অভএব গুণবভি ভাজহ মামারে शानात्म जंकाड याचि मादिर त्रामार्थ , (अर्वाशी क्र्यंन क्रम १३८६ अ विश्व वरमरङ क्रिन कुछ छन्। मित्रक्रम ॥ ধনে হয় প্রোণনাধ ধর্ম উপার্জন ধক্ষেত্তে করিবে ভূফী ইন্যারের মন 🗈 যত ধন চাবে ভূমি দিব হে ভোমায় ধার উপার্জন ভূমি করিবে ভার*ে*। জাননা কি প্রাণনাথ শালের বচন थान थमा अरम थान वैशा सहस्र । আজিকে বিধিৰ আজি বিধ প্ৰাণ্ডহাইতে ৷ निर्विदः कत्रक कीए। आभारद महेर्छ । দাসী হয়ে নিবস্তর সেবির তেনেবে : माश लेक्ट्रा कतिहत ए जालन हेक्नाह !! এত বলি বিলেদিন নাগবে ধরিছে : শবেশপরি কেলিলেন বদন চুদ্ধিয়ে। প্রাণেশের কর ধরি কছে রুসবৃতি ! কছ দেখি এবে কি করিবে প্রাণপতি।

বৰু কক্ষে আৰু নাথ পেয়েছি তোমারে। বলে আলিঞ্চ দিব কে রাখিতে পারে।। ट्रम कार्ल क्षम मृद्य का क्रिया क्रथम। অভিক্রের কণ্ণে মচি কৈল আগমন। গুছ প্রাত্ত ভাগে থাকি করেন ভাকিয়ে। কি কর ইমক ধার মোর মাথ। থেয়ে। পুত্র হাছি বংশে ভাই কিনিয়ু তোমারে। ভাষার উচিত ফল দিলে কি আসারে ৷ শুনিয়ে আজিত ব'ক্য ইসফ স্থানত : ভয় প্রের যুবর জে প্রায় সত্র। অ(ছিল কপ্টি নহ্ সপ্তম বাস্বে। नेभएकर व्यक्तिकाङ यक्त क्षित प्रदेश ह পেশ্চান্ত্ৰপ্ৰাস্থায় জেলেখা নবীনে। মেপ্ম ব্যাসর অংশ ধরিল রম্পে h ঐশফের কটিদেশে বস্ত্র বন্ধ ছিঁল। ্ভাষার পশ্চতে ভাগ জেলেবা ধরিল। ত্রাদেতে ইমক দীর বেগে পলাইতে। রহিল বসন ছিড়ি জেলেখার হাতে॥ রুপসী দেখিল প্রাণনাথ পলাইল। অচেতন হয়ে বালা ভূতলে পড়িলু। भृलाव भृषत ज्यक्ष इत्त वित्नानिनी। রহিল ধরায় পড়ি যেন পাগলিনী।

आजिय दम्भव और नम्मि शहिद्धः।
कालभाव निकटिएक माहेत शहेद्धः।
बहिद्यमें दहाज्यत शिक्ष बाह्य वा ।
बाह्य जिल्हा मिनि हहेद्य जेउता।
अञ्जत ना दम्य वाला शास्त्र स्मान ज्यतः।
कामिनी मानिनी अञ्जत्भिक ज्ञाह्य ज्ञाह्य ।

কাতর হইদো ধীর, কর নরি প্রেয়সীর, गृह ऋति रुद्ध लाई श्राह প্রেয়সি ল্যে পায় পরি, দীনে মান পরিহারি, **তৃঃখ হরি তো**ৰ প্রাণপতি চ कि नाजिए। वहानत्म, मिक्साइ अजिमादन, ত্যজিয়াছ খলসার বেশ। क किছू करअरड़ नाकि, कि-कांद्रत्नं विश्वसुर्थिः कतिशाह भागिनिमी (तन ! শুন শুন ওচ্ছে প্রাণ, ত্যাসি মান বাৰ মান, কথা কহ সুধার সমান। তোল তোল শশিমুখ, অন্তরে জমাক সুখ. কেন কেনু মলিন বয়ান 🛭 মানিনি লোলান পরিহর। नटर मार्न करल्बत, क्षि रल अतकत.

কলেবুর কাঁপে ধর ধর।

70

मान ति विश्व स्थारत भन्छ हथे।

वाग न्वि श्रम तिन तिन तिन तिन ।

क करना अने भाग कि हम्स करत ह भाग,

क करना कि हम्सिने, ज्य ज्ञाम्य थानि,

कि कात्रद्य श्रमारेख शिष्ट ।

मर्थ महत्रम सारमे, स्वर्गन वारम वारम

নাপাইটের ফিরিরে বেতেছে।
মানে মতি বিপুমুখি, করিলে বিক্য ছুখী,
তব সানে সবে বাক্ত করে।

भारत मरक्राह सम्बद्धी, व्यात कारत छत्र रुदि,

্ই দেখ কোকিল কুইরে।
কৃষ্ণ কোকে স্ক কয়, প্রাণে তা কৈমনে সন্ত,

মনোড়বুখ দহিছে পরাণ। প্রকাশি বিধুব্যান, বাকা স্থা করি দনে

কে।বিলের কর অপমান।
দেখিরে ভোমার মান, পাপিয়া করিছে গান,
চন্ধ গেল চক গেল করি।

শুন শুন প্রাণপ্রিয়ে, আঁগিপার প্রকাশিয়ে, দর্প তার হর লো সক্ষরি।

हेमक कारणकाल विवासन हम मार्ग्य मिल

कड़क विठाइ।

নাংগরেকাতর বেখি অদি, শতিমান केहिएस विजय श्रीता अवानि नहान । कार्डात् नार्थंत कृतं कतिरह भावन । थीरत भीरत जाजिएक देव करत निर्देशन । व्यामाटः किनिस्त्र कृति मिग्राष्ट्र (य जटन । ভার ওণ কথা কত কব একাননে । পুত্ৰৰম কেছে আৰি পালিলাম যায় ৷ দে ভাৰ ভুঞ্জিতে রুভি মৌব **সনে** চার । দেখ দেখ মহাদার তাছার কি কথা। ব্লক কৰে রাথিয়াছি পতিত্রতা ধন্ম। শুনিয়ে আজিজ অতি ক্ৰোধিত হউয়ে ৷ इंगटकदं तिकटिएंड कानिल डाक्टिस । ट्यार कारण करनवत्र आहत्व नरानी কহিতে লাগিল তারে করিয়ে তক্ষ্ম ন 🕯 श्रुक बारे शृद्य भन महा छेठाउँ स । তाई किनिशाहि जात्त्र मिरा वर धन । शूक मम त्यता त्जादत्र कतिल शामन । अद्भ कृषे जादि हार मिट वामिन्स ।

नियम्हातीय द्वी। कि कथा कतिन। क्लंद्रिक छाना द्यान किरत जूनि मिनि । श्रीतिक हेनक करह त्यांड कति हाछ। जिन हम ठाकुताती जुनि यन माथ । अक्टबेंड जान यम किছू नोहि लानि। जामारित योजिएशिकेन देकालया जालिन । हिस्त्रीमह उद छाडूनी एक महानम् । जरनीयाकरभ रत कहिएव मधूमस । क्षितिये जा बिक्ति करह ए कथा रक्ष्मन । ছ্যানের শিশু কোখা কয় রে বর্চন 🛚 ইসফ কচেন শুন ও গো মহাশয়। অবশ্য কহিবে কথা ঈশ্বর রূপার 🛭 हेमरफेत शारी छनि जालिक रमनेत। **छिन कर्मा गर वालक त्री**छत् । ट्रम काटन एम मान जान्हर्ग कथन। बुनिए के क्रुन, भाशा शोरत कान अने । रेगरकरेत वाहारे उ जगाउ भीवन। कतित्वन (स्वी महत्र होत्त्र (क्षांत्रमें। प्तरी आणि वानरकत् महत्व केनिन প্রভুর কুপার শিশু উঠি * ক্রিছিল

[•] विनि मर्सवाशी मर्वाछ मर्दमिय्छ, दश्चित महिषा वटन कि ना १इटिड भारत । जाड शर्म, भारतक के अदिवदस रमान करमहे मरनह केविटन ना ।

र्मक-दनरमया ।

बाजिएकर अभिन इस्त महानम्। কহে গুল্লভাভ আগমন কি কারণ। আজিজ কভেন বাপু শুন দিয়ে মন। इंगक (जारणथा करत (कान्सन फुलम । বিচার করিয়ে কর বিবাদ ভঞ্জন ! মধ্যস্থ ভোষারে মানিয়াছে ছুই জন 🛭 শুনি শিশু কহে শুন ইমক প্রভান। আপত্রি বর্ণন কর অবস্থা আপন 🏾 ख निरम लिखा वाशी द्विष्य पन। প্রধাপর ক্টিল সংলে বিবরণ। মৃত্যুরে কাহে শিশু আ**জি**তের প্রতি । विष्ठादत मण्यूर्व भाषी (जदन्त) युवः। শ্রুনি বাজাকেও মুখে জেকেথা ফুন্দরী। লক্ষ্য পেয়ে র**হিলেন নত মুখ ক**রি । ন্থাসঞ্চে বাজকালা ভবনে চলিল। কাজিজের নিকটেতে ইনফ র্ছিল। ঘরে মরে পরস্পারে কাণ্যকাণি করে। गटगटह टकटमधा ८७६२ माटमत छेपेरत १ भूरश मृरथ दुर्क दुरक तरह अञ्चलना मारमत करतराज वाला मेंद्रभएड (योतन क धहेबाभ नकाला कर भत्राभारती উঠিল কলঙ্ক ধ্রজা মিশর নগরে॥

De

रेग्रकः अनर्गत ब्यामधात

(श्रम

हैनक शहल गणि आक्रिस निकटि। श्रशास (कटलश्रा कैंदिन शिक्दिः मक्टने।। यादत भा देश्तिदन केत्र श्रम्मदक अन्तर । जात **चमर्ग**नवान त्क्रमतार**्ज म**श्रा। ি প্রিয়ের বিরহে প্রিয়া অতান্ত কাতুর। किंदम किंदम व्हित रूप मश्रामत जाता !! নিরাধার। নীরধারা বহে ছনয়**নে**। অবলা সরলা শ্বালা হত সয় প্রাণে। নাথের শিরহ্ বিষে প্রাণ অস্থির। करम करम काली इल सामात मंत्रीत । ৰপদীর শিরোমণি ভেত্তেপা নবীনা। विषम वित्र एडाटण हरेल मिना।। লাহি রোচে আর জল তিল নয় সুখী। क्तिवा विदय्व क्षा जारव विश्वभूषी।। बटल (कदा श्राटनटमादा मिलाई स्मृदि । यत्नते जालन त्यात त्वना मिनारेतन ॥ राउ जामि गाँछ (श्रंत कि कर्म कत्रिन् । जाशनात लाट्य आगनात्य श्राहारेतु ॥

কোথা গোল প্রাণনাথ ইদ্যুর্ভন ভারে না হেরিয়ে অতি কাতর নয়ন 🗉 হার রে'দারুণ বিধি এ কেমন বিধি : কোন প্রাণে হরে নিলি যম প্রাণনিথি। অবলা বালার প্রতি সকলে বিমুখ। কাহার নিকটে যাব নিবারিতে ভুখ !! এভ বলি প্রেমম্যা করেন রোক। প্রাণেশের প্রেমার্ণরে কইয়ে মগন । **ट्न** कारण यूवदत ईपक छ्जन: গুহ হতে গুহান্তরে কাতিছ গম্ন 🖯 (इन काटन महहती कति आधाननः) ইনফের ক্রপত্ম করিল ধারণ 🖟 . বলে শুন যুববর বচন আমার: **(कट्लशात निकटिएट)** इस अक बात , ভোষা না হেরিয়ে শক্তিরা দে রমণী। চল ভারে দরশ্ন দিতে গুণমণি!! मिक्रिनीत दहन श्रातित वसम्य मशी मह ছেলেখার ভবনে উদয় !! নিকটে পাইয়ে সভী প্রাণগ্রিয় পাতি: '**স্থার সাগরনীরে ভাসিল ঘু**বতী। প্রাণেশের করপত্ম করপত্মে ধরে। मकल नग़रन लोगो करक मृद्ध श्रह श

তব প্রেক্সেক্সন্ত হয়ে ছিলনাক জ্ঞান।
তাই করিয়ানি প্রাণ তব অপমান।
রাগ কর নাংহ আরে আধনীৰ প্রতি।
ধরি পান নথন খোরে কর প্রাণপানি।

্পিস্থানের প্রিক্তি **জেলেখার** বিষয়

প্রথাণ কর ধরে, কাংশ রামা আর্থ্র প্রের্
এই বি হে হল স্বশোষে।
বিধান সানিক আন, না পুরিল সনোসাধ,
ব্লিয় লটল দেশে দেশে।
বারে হার প্রসানে, সাব কাণ্যনাশি করে
ুল মান সা লগুইল।
কি করিব এ,শ ধন, ভেমানলে লহে মন,
বার্ণীর আশা নার, মা বার্ণেরে পরিহরি,
করি প্রোণ তব অন্যেশ।
কর লোকে কত করা, ভাহে নাহি করি ভর,
দে সকল অঙ্কের ভূষ্ণ।
অতথ্য গুণমণি, রাধ হে বালার,নাণী,

अक्टात **(मरु आविक्रम**।

मञ्जा रह क्षांत्रकार्का दक्षमदम रहेत गाँउ, रण चंछ वालात कीवन । खान खान मुश्रमनी, कथा कर रानि शानि, ा जिल्ला युष्पक थाप मन। **ट्**बिटन ट्यांमात मून, अस्टत अमन स्ट्र া পাই নাথ তোল চক্তানন । করিয়াছি অপমান, ভাচে ক্লি করেছ মান, क्ति छा। कथा नाहि कर। হয়ে থাকি অপরাধী, চরণে ধনিয়ে নাধি, नट् कर्षे करते शामि पर ॥ खन खन आगधन, नगत मागतीभग, भरत भारत वरल कलकियी। नित्यां व्यापीशत्य, माखि मिव अहे कर्ष, ভোমারে দেখায়ে গুণমণি ঃ এত বলি স্কুমারী, ডাকি প্রিয় সংচরী, কহিল করিতে নিমন্তা। मिक्रमी खिंछ मञ्जूद्रि, मकदलद चर्त घरत, निमिखित्य जानिन उर्धन ॥ मखम वामत चरत, तमारेल मताकारत,

भारत क्षेत्र क्षक क कर्यन ॥

(कट्सको कर्जुक हेमटका

'বাজবেশ।

লয়ে সতি. প্রাণ পতি, প্রেমের আবেশে রে हम्बर्काः, जनभात्रः भेदास व्याटनाम् त्व ४ महा:यटना, ब्राज्यत्वतन्त्रं, क्लि नाएथं नाकिएयं নে- সার, অবভার, শুহরবার আসিরে। चित्रमण, भारतमा, विभागान विभागः जूनिक नी, भाराजिमी, (इहि ठाक मयम व श्रांतरा, कि, कीन कार्ते, कवि स्वति एर्गत्य । उन्नत्थि, निद्रवंथि। यटम् नदम सुक्तिरत्।। क्षभीत युक्तीतः भरूर गामिरः (१)। তাই বিধি, কেন দিখি, স্লোচ ধরাতে রে। क्षिमारतरम, .इ.म :गरम, धेरे विष्म धकरम। व्यातिकृत, शामधन, अहर धति हत्रता । পঞ্ধর, করজা, পঞ্চশরে করিছে। পিক্রর, কু**হস্থ**র, যেন শর হানিছে॥ আর প্রাণ, পাপ প্রাণ, রাখ্না নাহি বায় হে। প্রের। নতা, করিবল, দিশুল আলায় হে। থোমদায়, প্রমদায়, বদি নাহি তার চে। उत्द चात्र. श्रेमाधात, वाँहि कि व्यकात रह ।

The state of the s

The state of the s

আপন পতির বেশ করিছে স্থক্টী! আইল বাসহের কথানগ্রের নাগরী 🖟 महक्ती अक्टबादन दमवू आबाईमा। कार्रिशाद्ध मक्टलह इटड नम्मिल । নগর নাগরীগণ কেবু করে করি। কাটিতে লাগিল সবে জীকা ভুরি খা: 🛊 (इन काटन जनवर्षी कालकी युवरी। আপন সালয়ে এল যথা প্রাণ্পতি ঃ मामाविष थाना स्वा मिट्रा छैति घाट्य। मख्य वामरत शाठाहेन खाननार्य ॥ मश्चम वान्द्र यद्य लाल इनमञ् । रहेल अमि कार्डि उत्सुव उत्र क ইগকের রূপ হেরি যত মারীগণ। এक मृत्ये दहरत ब्राट्ट मार्डिंग त्यमन । বিধিল কানের শর সকলের বুকে। घाँचि मानिएक नारत वाका नाहि पूर्य । हेत्ररकत बर्ण यूक्ष हरम नकल्वर । হস্ত কাটি কেলে সৰে লেবুকে কাটিতে। · भागिएक इंडेल जाकः, भवात दसन । তথাপিছ এক দুটে করে নিরীক্ষণ ॥

হেনকালে আসি তথা জেলেখা কামিনী। आँथि शांति मृद्रुखादव कटर विद्यापिनी । अक्रि रम्बि मन्त्रनिवामी नाहीशन। শোণিতে বদন রাজ। কহ কি কারণ। ও মা কি লাজের কথা সরসেতে মরি। क्रमानं काणित्य केंत्र याजकं सुनाति। প্রদি চমকিয়ে ওঠে যত নারীগণ। र्क भारत रहरत् यस्य **अकि जनक**ा ॥ अशानि कुमाती कश अन विल मण्ड। कानु मृद्ध नित्मिहित्य **या**मात रक्षटि ॥ ধরিতে নারিলে প্রাণ দেখিতে নাগরে। षाष्ट्रे कि नाट्यंत्र कथा कहिर दा कारत ॥ রূপসী যবতীগণ লব্জা পেরে অতি। মৃদ্ধরে কহে তবে জো**দি**খার প্রতি । ধনা গো,জেলেখা তুমি পুণ্য করেছিলে। পাইরাছ হেন পতি সেই পুণা ফলে। रहतिरत ७ हन्तु गुथ रक अभन म**ी**। পরাণ ধরিতে পারে না **ভূঞিলে র**তি। এত বলি সকলেতে করিল গমন। देनक निकटि वाला तरह असूकरी।

हेनक कर्क्क रकरनथात

প্ৰবোধ।

এক দিন ধনী নাগরে কহে। पाक्र वितर आए। ना मरह ॥ ক্ষম বঁধু স্থামার অপরাধ। कत नो कत ना ध्याप ध्राम ह অনকে দহিছে এঅস বঁধু। কর হে সাস্না পিয়ায়ে মণ ম আমি তব দাসী হে গুণমণি। তোম। বিনে 'মনো ন। হিক জানি। ভুমি রতি মতি ভুনি হে গতি। ভোমার এপিদে নঁপেছি যতি। (एर् जािक्स जात मे मार्। তন্ত্রার ঘোর শরেকে দরে। अनि क्याबीरत करह कुमातः ধর ধৈয়া রাখ কথা আমার 🛭 ত্যজহ খনিতা প্রেন স্মুখি। इंड निका लोगांखर एक पूर्वी ह **এপ্রেয়ে স্থান**রি যন্ত্রণ সার। त्म (अदम शाहेदन यूथ जागात है

200

এ প্রেমে সকলে ছনাম গায়।
সে প্রেমে সক্জে নির্বাণ পায়॥
দেখ বিলোদিনি পাওু কুমার।
নিত্য প্রেমধনে করেন সার॥
তাই ভাহাদের জগতে যানে।
তাই বলি ধ্রিয়া ধরুহ প্রাণে॥

কোন প্রেক্টিডনয়৷ ইন্টের রূপে বিমাছি:

ইবা নিডা প্রেন্থন লাভ করিয়াছিল,

ইবার উপাধ্যান ৷

পে নগর গাসী এক শ্রেতির নন্দিনী।
বসনীর শিরোমণি ঘেমন পার্মিনী।
সে বাপের তুলা নহে কোটি শশবর।
শশীতে কলক আছে যেক চরাচর।
অকলক নির্মল কপনী যুবতী।
কপ হেরি লাজে মরে রতি রতিপতি।
বোল উর্ব্ধ নহে ভার বহুস নবীনা।
পীনোলত প্রোধরা কুরক্ষময়না।
ইসফের রূপ হেরি মোহিত হইয়েশ
কুল লাজ পরিহরি আইল ধাইয়ে।

यथोन्न हेमक थीत त्योकिक उत्रदन। 🗽 ष्मामित्य कर्टन जारतः विनय वहरन ॥ নির্ধি ও বিধুমুখ যেন স্থাকর। স্থাপানে খার মম মান্স চকর 🛊 হেরিয়ে অধর তব হয়েছি অধর। চুম্বন করিতে ইচ্ছা করে এ অধর । কুরঙ্গ খণ্ডন জিনি নয়ন রঞ্জন। इंग्हा करत गर्वन। मिथिए अ नग्नन ॥ তব নামা গুণমণি যদি আমি পাই। कृषः इत्य मनुत्रत्व तमनी जुलाहे ॥ হেরি তব করপদা ওচে গুণাকর। বাখিচে হৃদ্যোপরি ইচ্ছে পরোধর গ পুকোমল নির্মল হেরি তব অঞ্চ। মম অঙ্গ ইন্ডে সদা তব অজ সঞ্জ এ श्वनित्य देनक करह श्रम महि नारक। তোমারে এমন কথা কহিতে না শালে।। পতি প্রতি রাখ মতি কর তাঁর সেবা। ইহা বিনা রমণীর ধর্ম আর কিবা ॥ **এ প্রেমে মজনা ধনি যন্ত্র**ী পাইবে। সেই প্রেম সার কর সহত্তে ভরিতে। 🗖রাধার মূলাধার জগতের সরি। 🔑 🧬 ক্ষৰ হয়ে যাও শীঘ্ৰ প্ৰেমেতে তাঁহার।

কর নিতা ধনে খ্যান নিছা যায় কাল।
জান না কি শেষে আছে নিদারণ কাল।
শুনি ধনী পেয়ে জান প্রেম আশা ছাড়ি।
নিত্য প্রেম অঝেশণে চলে তাড়াতাড়ি॥
গিয়ে বনে নিতাধনে আরাধনা করি।
দেহ পরিহানি পোলা অমর নগরী॥

ইপকের নিকটে জেলেথার মনোগত ভাব প্রকাশ।

এগানে তেলেগা পত্তী, লয়ে প্রাণপ্রিয় পতি,
মনোচুলথে বঞ্চেন আনালে।

ক কুণি মিনতি কবে, নাথের চরণে ধরে,
কোন মতে লওয়াতে প্রাণেশে॥
মনোচুণথে কহে ধনী, শুন কান্ত গুণমনি,
কেন বাম হও এ জ্বখানে।
ধরি পার গুণাপার, আঁথি মেলি এক বার,
কথা কও ও চন্দু হদনে।
ভানা না কি গুণমনি, পরমেশ চিন্তামনি,
লিখেছেন আমার কঁপালোঁ।
তুমি মম রভি গতি, তুমি প্রাণশ্রিয় পার্চী

অন্য পতি মাহি কোন কাকে 🛊

यामि उर व्यमाधिमी, छन उटह छनमन् ভোমারে মুঁপেছি প্রাণ মন। ভোমার ধ্রুটোর কায়, ব্রিটার বিভা মার্টার মিশ্রে করেছি খাগমন ॥ তোমা দেন গুণনিধি, ধদি নিলাইল সিধি उत् रक्म क्र प्रभाव তোগার ভারেশানলে, সদা মের প্রায়ালে द्वि बाब बायाह शराण ह क्रम स्थम जिस्साम नालिक हिन्दुरायम, एशन र श्रीस महासन । ेंडक्रसंबि ध्यानेशाल, की कि के पित किया सर्वाट, श्रीर एए अकेस मोदन ह বৌরনের জাস্থাদন, না শেলাস জান্ধন भुताहेल स्थीदन इंडन कि निद एलाम छा। इ. इ.स. म तनती श.

> আভিজ ক**ত্ক** ইনফের কারাবন্ধ।

कृश्य (तह इत्एर्ड एम्न !

কান্ত করে ধরি ধনী এইরূপ করে। শুনিয়ে কুমার লাজে হেট্যুখে রহে।

भून कटर विटन'फिनी धतिए हत्। अकरोत हों नाथ (गालिए नम्न । ভোমার আবেশানলে ওখে রসময় ट्रेन अर्थ वर्ग भग स्टा रुपनी गर । । -বিশ্বয়ুখ ভূচি। কথা কচ এক সার। কি দশা লইজ যাম বিরয়ে তেমার চ अ**हेका** भ कार समी, कतिरा ८ ताकम । क्रमक निर्वय पाठिना (उत्भ वसन ह क्षेत्रका ने बाह्न नाला येत्रक लियु मह । অভ্যার করেন সহ জুনেই বিরহ। धक मिन राम भारत जारन क्षत्व की। किंबर्ट किंति दल देगक सुप्राच्चि क्रेबार क्लाब वह बैबाएड बाध्यरम डाहोर है किल इन व्यम्कित तिथि । अरत श्रेक डेशांत गाउँ हा गम महम। काताशादब हेमदकतः ताबिव वदादन । এই বই উপায় না দেখি আমি আর। रकन यञ्जभ उदाः कतित्व श्रीकातः। अधि मान मान जिल्ला उथन। वाकिएएरतं आमारेल मनं विवत्त 4 শুন ওছে গুণমনি আজিজ ধীমান। ইসকের নাগি হল এত অপমান।

যরে পরে শকলেতে কলন্ত রটায়।
শেষভানলে দক্তে তারু হায় হায় হায়।
তাই বলি সে কলন্ত ঘুচাবার ওরে।
কারাগারে বন্ধ কর ইসক সকলে।
কারাগারে হাণী শুনি মাজিজ তথন।
কারাগারে ইনকেন্তে করিল প্রেরণ।
বিদিরণ দক্ষে থাকি ইনক গ্রন্তা।
গড়ান নারীর দার হরিল গোলন্ত।

ইস্ফ অনুষ্ঠান ছেলেপান খেদ:

বিরুহ স্থালায়, এ দেহ স্থালায়, ও গো প্রোণ সহচরি ॥ হার হায় হায়, সে প্রিয় কোথায়,

भ किस्म अपि मा तत्र। अम दह समन, नाउ दह जीतन,

ৰাট ছখে নাহি সর। বিক্ প্রাণ কোরে, হারারে ভাহারে, এখন আছহ বেঁচে। ভাকিথে ও দেহ, শীত্রগতি যাহ,

^{মৃথ্য} প্রিয়তম জাছে ! বলিতে বলিংল, ভেলেখার চিত্তে

विवह अवश ऋता। भाग्न भागानम, राजा पारहरूम,

সর্থী ডুলি লয় কে লৈ।

কতক্ষণ গরে, উঠিরে দত্মরে,

হাহাকার করি কয়।

বাহা মরি মরি, ওগো সহচরি,

কোথা গোল রসময়। বিহ্ন কালে, সন্তাচলে চলে,

নিধন করিয়ে জ্যোতি। রজনীরমণ, উঠিল তথ্ন, নলিনী ফুংখিতা অতি॥

জেলেখার বিরহ বিভ্রম।

জেলেখা ভূমিতে পতি বিচাহ বিভাসে শশী দেখি শশিমুখী কহে স্থা ভ্ৰমে ১ ওগো স্থি চল চল ঘরের ভিতরে। দিবাকর করে মম দেহ দহা করে 🛊 অবলা বালার বুঝি এধিতে জীবন। এক কালে সমুদিত ছাদশ তপন। প্রথর রবির করে দহে গো শরীর। আন স্থি জতগতি গুলীতল নীর ৷ मशी क्य धिक कथा कर छनत्ति। রবি নয় ও যে দেখি রজনীর পতি। **(कटलश) कट्न उत् (एक् (कन मटक** মখী কয় ভ্ৰম তথ হয়েছে বিরুহে 🗈 ্জলেখা বলেন তবে ওই কোন জন। मधी कन्न 'अ त्य कूनू मिनी প্रियं जन । প্রিয়জন শব্দে মনে পড়ে প্রিয়জন। व्यवीता इड्रेन थीता थिएसत कात्र[ा]। বলে আমি কি করেছি থেয়ে অপনারে। কোন প্রাণে প্রিয়েরে রেখেছি কারাগারে। বলিতে বলিতে ধনী উটিয়ে সম্বরে। ক্রতগতি চলিলেন **প্রিয় দেখিবারে** ।

कांत्राणांत्र षाहत माँणार्रदा रक्षणवणी।
श्रिदात मूत्रणि द्वित ज्ञाननिन्छ मणि ।
यक पृष्टि वित्नामिनी करत नितीक्षण।
मूट एनट्ड दिन श्रुन शाहेल जीवन ।
पृष्ट एन्ट्ड दिन श्रुन शाहेल जीवन ।
पृष्ट एन्ट्ड दिन श्रुन शाहेल जीवन ।
पृष्ट एन्ट्ड दिन श्रुन शाहेल जीवन ।
प्रदे एन्ट्र कांत्राणादा सम श्रामशिक ।
यणि यद्य वाति जूसि ताथिद्य हेरादत ।
यण्ड मन मारन श्रामि जुसित । ज्ञामाद्य ।
यण वित्त नाधि वनी शासाद। क्रम्य ।
प्रदी रहेल श्रीहिलन ज्ञाशन श्रीहित ।
योत्र समितादाल श्रीहित ।
कांत्राणाद्य साम (हितिवाद श्रीवर्ग ।
कांत्राणाद्य साम (हितिवाद श्रीवर्ग ।

সাকি বাকি নামক কানীর ধরা দর্শনে বাকির প্রাণবিয়োর ও সাফির আমাতা পদে

নিষ্ক হওন।

দের পার হস্ত হতে পেরে পরিত্রাণ।
কারাগারে আনন্দেতে রহে মতিমান।
নেই কারাগারে নাকি বাকি ছুই জন।
ছুই ভারে আছে বন্দা ছুমুর্ম কারণ।

'পরস্পার তিন **জনে হইল** মিলন সেই রাজে রয় সবে করিয়ে শায়নার হেন কালে চুই ভাই অপন দেখিছে . हाहाकाद कवि ७८५ द्वापन कविटा ४ हेमरकत अভि उत् पत्न हुई कम 🔧 तिशिधाम काकि छोड़े वरि कुरुशन ! हर्टा कीत्र भन 'भ्टास तिक्स । वल मिशि विष्ठातिस्य अभरन्त कल । रेमक कररन उरव अन मित्र यन। खशरनद कन्ताकल कृति वर्षन ह वाकि या अगन जुमि करतम् स्थीतः তাহাতে ভোমার হবে দংশ্য জীবন 🛭 বাড়িবে নাকির মান ভূগতির পালে। हिनाभी क्षानादक वानि गाउद यमवादम ह थाई बार्ट कथावार्ड। जिस करम महार হেন কালে শশধর অস্থতে যায় 🕻 द्रश्मी প্রভাত কালে উদ্যু তপন ! প্রকুটিত পঙ্কজিনী মেলিয়ে নয়ন । এমন সময়ে রয়হান নুগারর। সভায় দিলেন বার যেন পুরন্দর 🛚 ভূতাবর্গ চারি পাশ্বে চামর তুলার। নকিব ফুকারে আরু ছেলাম জানার 🕭

336

রত্ত্বিসাদে বিধি মিশরাবিপতি।
তৎক্ষণাত্ দূতে ডাকি দিন অনুমতি।
মম আজ্ঞা অনুসারে কারাগারে গিরে।
মাকি বাফি ছুই জনে আনহ ধরিরে।
পাইনে ছুপুর আজা দূত সেইক্ষণে।
আবিলয়ে আমে দোঁতে রাজ সরিধানে।
বাকিরে হেরিয়ে রায় জৌনে ছভাশন।
অনুমতি দিল। তার স্বিতে জীবন।
নূপ আজা পেরে দূত লইগে লাহার।
অন্ত্রাহাতে শুমনের সদনে পাঠায়।
মাকির হেরিয়ে মুখ নূপতি মোহিল।
প্রধান অমাত্য পদে নিযুক্ত করিল।

भिगता, नेशिंकः वश्येन्नं ७ हेम-दण्ड व्यथान यहारा शरम निवृक्त इस्टनः

এক দিন মহারাজ নিশীণ সময়ে।
আছিলেন নিদ্রা যুক্ত শরন আলগ্নে।
দৈবে যাহা করে তাহা কে করে খণ্ডন।
অন্ত কপন এক দেখেন রাজন।

যেন সপ্ত হত্তপুষ্ট স্তর্ভী নেখিছে: यग मन्ड भीन बाजी यादेश बाहेरस ह ক্টপুরু গাভীগণে করিয়ে দারণ। ক্ষীণ গাভী তাহাদের_ঃকরিল ওক্ষা ৫ এৰপ ৰূপৰ বাছ কৰি মিরীক।। তাসিত হুইনে উঠে ধ্ৰিল তথ্য 🛚 সমুদিত দিনমণি । হরি নরপতি। নভার জিলেন বার বিষাদিত মতি ছ मकाश्यक्षण शक्ति कर्रस संभव। যামিনীতে দেখিয়াই অভূচ স্বশ্ন দ धिकविद्य कांड्रासन मह निरुष्ट । শুনি দ্বিষায় খেডি সভাসম্পাৰ ধ अभग कृष्टान्ध माकि क्रिक्त धेटन । আমনি ইমনে ভার হইল সার্গ । কর যোজে ভূপভিয়ে করে নিবেদন ৷ ইমফ নাঘেতে এক দুপতিনন্দন 🛭 তব কারাসায়ে বন্ধ সাছে সে কুমার। বলিতে স্বংগ্রে কল ক্ষমতা তাহার ৪ তব কারোগারে ছিন্মু ভাই গ্রই জন। স্বপ্ন হেরি ইনফেরে জিজানি কারণ।। বিশেষ বৃত্তাস্ত তিনি বলৈছেন যাহ।। ঘটেছে নুপতি আমাদের তাগো তাহা !!



অতিশয় গুশ্বান সৈই মহাজন। শত শশিষ্ট। জিনি ৰূপের কিরণ।। न्शिष कटहन कृषि योश टमरे आदन। नद्भारत जाशास्त्र नास आहेमें बशास्त ।। म्परित्र व्यक्ति (परित अक्त वस्त । हैमर्क्त मिक्रोडिक क्रिन क्रेमन ॥ का था ५ कति भाकि कट्ट हेम्एकता। নপলি পাটারে দিল ডোমার গোচরে: নিশাবোধো প্রধান দেখিয়ে দপ্তমর। ङ्टाउटान थातिश्य छ्:दिङ **घड**त ।। তেখিবারে সাইটেড প্রিচা**লার ম**র্গানি। हल उदा महानद देति शोखक्षां । क्षित्व नानित वाशी देमक मुख्य । মহানকে তার শত করিল। ।। রাজ বাবহাবে নতি করি ভূপতিরে। সভায় বুদিল ধীর প্রফুল অন্তবে ।। ইপকেতে নির্কিন্ করিয়ে রাজন। অন্দরে ক্তেন তারে স্বল্প বিবরণ 🛚 সপন কুতান্ত ধীর করিয়ে **শ্রবণ**। মুম্বরে মুপভিরে করে নিবেদন ॥ ^{*} त्य मश्च ऋत्रजी मृश (४८ थ्रह ऋक्त्रं) তার কলে হবে শ্যা সপ্তম বংসর 🖡

यना मश्र शांडी याश् करत्र एकांना ভার **कटन वस्र श्रका हरे**ट्य निधन ॥ বিধির নির্বাস্থ্য কেবা খণ্ডন ফারিরে ট মপ্তম বৎসর যোর ভাকাল ইইনে । महित्य चारत्रक क्लाक व्यावत चा छ। ८३। জল বিনা বছ লোক প্রাণ ভাজিবে। শুনিয়ে সুণতি অভি স্ববিষয় সন। পুন জিজানেন ততে ছইবে নেনন 🛚 खनिया हैनाच गरह तर स्वयास । भाषका करिय व्यक्ति ईकार जैवान है নাও দুর সহারাজ সন অধিকার। A PRINCIPLE SEE BY BY BY সাত সল মরপাঁও কব মা কইবে। य किंक वर्षेष भना बरडान कृषितः । दर्भ मन भमा होथे कर्न १५ रहन का श्रास क्रेट्र १४० व काळाल रमाध्म ॥ শুনি নরপ্তি অভি ইরিণ অন্তরে। भाकेकिन महोगान तम्म एम्मास्त । हेम्दक हमस्टाम श्वन कटहम बाक्नम । কর্ম পীর ওমি কেবা কামার নন্দন 🖰 ইসফ কচেন শুন ওগো নরপতি। ইসফ আমার নাম কেনানে বসতি ।

এয়াকুৰ নামে ভূপ কেনানাধিপতি। তাঁচার সকলে আমি শুন মহণ্মতি !! भग आदिक्षि भग व्हेरव विशव । ুকুপে কেলি বছ**কু** নিয়াছিল **ছ**ংখ ৷৷ व्यक्तिक **मार्क्ता अस्टर** जागारतः। বিত্রার কনিতে <mark>সামে কে। মার নগতে</mark>।। चारिक चिनद स्माद्ध किनिरंश संदेखा। লেলেখার **ফরে** কার দিল সম্পিয়ে। CE (रायः कथने (एवं आजिए क्सनाः कार कार होएय १४। एत कि विट्र इसना । हिन ८३% अ६ अतः सुरुषः भिद्रामः भाषात्तः । यां क्षत्र तस्तुम होते आत्मान विद्यारह ।। **শুনি ইসকে**ত য^{ুর}ি ক্রোধে লররছেন অনুস্তি দিলা দুভে আমিতে দৌহায় ৷৷ ष्ट्रपा था अहा स्टब्स्ट पुरुवन । (ङ्क्षा वाक्ति कि पादन महि स्मिकेक्स ।) কৰে দুপ জেলেখার প্রতি দৃ**টি ক**রে। কি জনো ইসকে দিঘাছিলে কারাগারে দ श्रम कृष्णित वं भी कारमधा समन्ती ! किहिए नाभिन नाक उग्र शक्रिहात ॥ **उन उन म**हाताक मम निव्यक्त। জনক আলয়ে আমি ছিলাম মৰ্থন !!

আমার বর্গ ধনে সপ্তম বহুসর। 🦈 उथन अभाग रहति हेमक हमा।। पिथा फिर्ड़ **अन्य**पि वृ**ष्टिस** कानुहा । उनविश करत्रिक कामारत कलत्।। আর এক দিন আমি পাছিয়ে এরশতে। মেই ৰূপ রসকূপ ভাবিতেছি চিতে।। द्बरहारल खनगनि कहिन जलहम। পাইবে আমার দেখা আগ্রিক ভবনে।। প্লাজি**ভা**রে কর তুমি প**ডিপ্রে** বরণ। তা হইলে আমাদো হইবে মিলন 🛭 বিশ্বাদ কবিয়ে আমি ভাষার বচন ' चाकित्**डार् दरिवास** श्राटित् दर्गः। ্এই **ৰূপে কিছুকাল** গত হয়ে যার . अनुकर्भ नाह प्रम नितृष्ट् जालाग ह পারে আমি বহু ধন দিয়ে নহাশ্য। সাধুর নিক্ট হতে করিবাম কর।। এৰপেতে কিছুদিন গ্ৰন্থ হয়ে যায়। প্রাণ প্রির ইদফ আমারে নাহি চায়।। কত ছলা করিলাম ভুলাতে প্রাণেশে। काहाशास्त्र वन्त्री क्रिनाम अवस्थरमस्य ॥ जिंदनशात वांनी **छनि मजाम**कान । স্বিশ্বর হয়ে চেট্র খাকে সর্বজন !!.

वाजिन तकात्र जात नाहि कटर कथा। जादन महास्मादन मानि कांग्रे। द्वान माथा क्षियोह्नेक्षेत्र भिन्दि नवतात्र । विषय क्रिक्ट जादव कृतिम विनास ॥ रेनत्स बरेट्स सूच्य भारत अत्यादन। অভিষিক্ত ক্রিলেন ক্ষ্মাত্যের পদে॥ পाईता मन्नीत्र छात हैनक छुछन। স্থবিলারে পালম করেন প্রজালণ ।: मक्षम दरमात भाषा मा इत छएमा । रेमक ताबिल द्वारत कति पतिभून ॥ ्थहें करम मञ्जूष वरमञ्जूष छत्र । उपग्रत इस स्थान अकाम जेमह ॥ माकून अकारम जिल्हात्व अकानन। अब विद्रम करके करत जीवन शृह्म ।। मेथे भन (य मक्स भरा इत्स्डिन) विचान क्रिया मुक्की मवादत प्राणिम ॥

हेमरफब विवर हे जिल्लाभात महाभिनी विरम वरम असम्।

म्ह्रे तिन भटत स्टांच क्यांच्या ट्राम्बत । । १ भितिस्ति दिश्म क्यांत्र मन्नत्र ॥

जेशारन क्यांनश क्नी थाकिएस उन्हेंने। हेमरकत बंग छोटर नेतरन चलान ॥ আঙ্গিষ্টের ছিল যত সোপার্জিত ধনী। ইসফের ভাবে তাহা করে বিভরণ।। গৃহ বাদ পরিহরি হয়ে সম্যাদিনী। कानटन हिन्दा धनी त्यन शाशिननी ॥ বনে গিয়ে যোগালন করিয়ে বলিল। প্রাণেশেরে পাইবারে ধার্মন আরভিল।। রসবর্তী ভুন্নিত করিয়ে ছুন্চন । ভাষেন প্রিয়ের বার্গ হয়ে এক মন। द्भ कार्य समग्र हर्देश सुधाकत । প্রণরিদী নিশা সহ প্রশারিয়ে কর। ে পেই স্থপাকর করে জেলেখা নবীন। পতिর বিরহানলৈ হল छ।न হীনা । धताय পড़िश्च वामा करतन जामन। ननीत नवान इन गुनन महन 🎼 চেতন পাইয়ে ধনী উঠিয়ে সম্বরে। বিরহ বিজ্ঞান জমে কানন ভিতরে ॥ এক রুকে লাগিরাছে স্থাকর কর। **ट्हित हमिक्टिश डि**टर वालात अञ्चल ॥ वरण विधि मन थाउँ १८५ जनूक्ण। ष्ट्रः मर विव्रहार्नदेव विवि मिन कुन हैं

चिति यम छेटम्स नारेटत व्यानसम्। आनित्रेष्ट्रेष्ट्रं बटम हुन्ति गुड़ाटड जीवन ॥ था विकासिता किनी मखत गमरन। उन्मी क्वेटलम एक मनिधारम ॥ ख्यात्र गार्टात्र पत्नी खिटहरत् गा भाष । विवर अमाल कृति कृदत होत्र हाता। उन रुपत्न कन्धत मनी वाष्ट्रामिल। (हाईका स्तरी चार्ड कांच्य हहेगा। वाम दाय अकि मात्र चांकिल धानात । কেৰো গেল স্থাকর বঁধুর আকার।। हारत निमासंब विधि कि त्मात शाहेरत। यामात्र शास्त्र निवि सहित हित्सः ॥ धड़े बहुन शिमाहियी शहन क्रांमान । जमन केतान खानिता स्टाम्बून । नातना विनर्ग इस प्रथानेल मूचे। ष्यवा राजांत थिए विश्वाण विभूष !! छित्र कामाक हम मा छटन छत्र।। भारबत छोत्रनायम श्लेख शास्त्र ॥ मिन सिन होंगेंग कांग्र डावि निर्मिष्त । उकारेक विश्वस्थ हरेन मनिक्ता क्रा एका मार करत क्रम्टन खालन। नर्रवना महनटङ खाइन हेमक जलन्।।

কোন কালে হেন প্রেম কে শোনে কোণার । রম্ণী প্রাণেতে মূরে পুরুষ না চার । শুমাধি করিরে ধনী বদিল তথায় :
যোগী বেন যোগে বদি ব্রহ্মপদ চায় :

्र (करनशांत्र व्यवस्थित ।

अर्केटल विस्तापिनी, राज स्थिहाता करी,

্তির ধান্তন থাকেন_্কান্তন। বিরুদ মুখ মণ্ডল, ব**েল**গরে নাহি বল,

त्रह क्य क्यल नग्रत्न ॥

श्रिया त्याटक छेबामिनी, अख्वान क्रेव धनी.

চলে পড়ে অমনি ধরায়। নিজিত হুইধে মতীন সঙ্গে দেখি প্রাণপ্রতি,

পুলকে পুরিল মর্বনার। যেন স্বীয় প্রির সঙ্গে, মজিয়ে রসভরজে,

প্রেমারেশে করিছে বিহার দ

আহা মরি নিদারুণ, বিধির বি- কব গুণু,

আন্তন আদিল পুনর্বার।

দক্ষী হল রতিরক, অক্সাত নিদ্র। ভক্

छेठिए। विश्व हमकिए।

নিকটেতে বিৰোধিনী, না কেরিয়ে ঋণমনি, শোকে পুন পজিল চলিয়ে। কত কৰে জ্ঞান প্ৰেয়, ওঠে রোচন করিয়ে। আলু খালু হইয়ে স্থলায়ী।

े हेनक तटन विरन्, चुर्ल धान ध्यमाश्चरन.

कि नगा रहेश आदः सति ॥ माजन ध्यत्मत्र मात्र, खेवनात आने यात्र,

এ প্রেমের সুষ্থেতৈ আঞ্চন।
আহা মার মারি, বাহারে প্রাণতে মারি,
বাড়িবে কি পিরীতেও গুণ ।
শাবী পাবী অগনন, মফলে করে রোদন,

জেলেথার ছংখ নির্নিরে। প্রথের পৃথিক যায়া, রোদন করিয়ে ভাচা:

ष्ट्रति गास है भारक भि**म्मिट्ट** ॥

पाइतः देसक कातनात नामार उ कातथात भूनकात रोजन क्यांखि।

এখানেতে রাজপুরে ইনফ স্কুজন।
মহানন্দে অভালেতে পালে প্রজাগণ।
এইবংপে গত হয় কতেক অ্যুন।
একদা চলিল ধার গহন কানন।

চতুরঙ্গ সেন। মজে বর্ণিতে শিস্তর। মূল **অধ্যেষ্ট যান ইসক স্থান** 🖈 मयाधि कतित्र यथा (लहनदा नवीना । उदा डिश्मील इत इम्राक्त (मनः ! (महे वन भावतिहास नकदल तहिला। বেক পিয়ে জেলেখারে সম্চার দিল ঃ ওশ্যে সতি প্রেমনরি কি কর বসিয়ে। त्मथ **(मश अक्टा**त वमन ङ्लिट्स १ যার থেম আন্তে তব আতেক দুর্গতি। ষার প্রোম আনে বানে কাঁরছ বনতি । যার জেম আনে ভাজিয়ার মা নাপেরে। যার প্রেম আশা করি এনেড মিশারে। गात आहम (शाशाहेरन अमुना र्योदन) এই দেখ সেই তার ইসাফ রাজন ! हेमरक्त गाम एक कर्न (शासिन) থামনি ছেলেখা এতী নাম মেলিল। সাঁথি প্রকাশিতে হেরি আণ্ডিয় প্রি শুখের সর্থি নীরে ভাসিল যুবতী ম ছুটিরা লাপের লাছে করি আপ্যান। বিনয়ে ক্ছেন বালা ধরি ভীচরণ n उत रमशा बरम भार ना कामि अश्रम ! বিধি মিলাইয়ে দিল ভোমা ছেন ধনে।

ে বেল আণুনাল আছ হে কেমন। एर ध्यमारविमानेटेल जानि जरूका ॥ धरे त्रथं अनमनि (लामात विरुद्ध । जर क्षेत्र बाक कहि गाँगता कानत्व ॥ ं जिमात कान्नर्भ मार्थ प्रशीठ जासान : नात्थत शोतन का इन छात थात ह टतु कि (इ छंद महनी महा। मानिका। क्ठ कान धकाल तहिब बात रल। ंथस पृष्टि छिन श्रीत दर्गत क्लामनाद्य । প্রোচদ করিল উচ্চ মারিতে ভারতে। হেরি দীর্ঘ স্থাস ধনী পরিত্যাগ করে। ं दम अनदन छ। इन्हें हरेल महुद्ध ह व्यक्षित्र केंद्राश गारम हेमरणत करत्। वास १८म त्थाहम त्यांभन छूमि शहत । मिथित्य व्याजनी करण् धांक सीर्यन ! সহিতে নারিলে ও সমান্য ছতাশন । ত্ব প্রেমানল নাগ হয়ে প্রহালিত। দিবারিশি সহে ভর না করে কিঞ্চিত। नितस्त मरह थान ७न थ्यमानरम । নিভান না যায় তাহা ও নামানা জলে॥ यकालि मिलम वाजि निक्ष तमस्य। তবে তো হে প্রাণ প্রাণ এ দেহেতে রর।

स्य कारण रेगरवांगी इल क्यांग्लिंड । हेनक वाठींठ रकह ना शात शरिएंड ॥ एन त इनक थीत थत त दहन। কেলেখারে সমাদরে কর্ম এছণ 🕆 প্রভুর পরম ভক্ত ভোমরা হুতন। আদিয়াছ প্রকাশিতে প্রণয় রতন 🛊 গুনিয়ে ইসক করে হোত করি হাত। ज नितमत जिल्लाम्ब क्रम क्रामार्थ । कामाद गरीन कार (कार्याश व्यवीश। ा महन्येदेशक क्षत तुक्तिक भाति ना ॥ শুনি ইন্দের বাণী প্রভু নিরপ্তন। বেৰেখায় প্ৰতি করে কটাক বীকা গ প্রভুর রূপায় পুন পাইল বৌবন : হেরি হরণিত অভি ইসফের মন ।

তেলেখার রূপ দর্শনে ইসফের ভংগ্রতি গ্রেমাসজি।

হেরি জেলেখার রূপ, ইসফ রসের কুপ।
বলে আমি কি কর্ম করেছি।
আহা মরি হার হায়,নলিনী তালি হেলার।
হেনা ফুলে অনাসে মজেছি।

সুকুমারী রাজবালা, সাহি জানে কোন আলা, মম প্রেম হেতু এত ছখ। कि कर्रिन गय थाएं, नाहि एवं अवमान, " জাটে বুক হেরি চাঁদ সুখ। বিষম পিরীতি ভোরে, ৰন্ধন করি বালারে, कविवाहि कर्लंक नाञ्चना হায় হায় হলি হয়ি, তাও বালা নহা ক্রি, ম্ম প্রেম করিত বাসনা। মম প্রেম ঝাশা করি, মা বাপেরে পরিষ্টি আসিয়াছে মিশ্ব নগতে^ল ভাষার প্রেমের ছেতু- বাঁধিয়ে ধর্মের সেড, ৰ্বিয়াছে আজিত মেশৰে।। আহা আছা মরি মরি, হেন নারী পরিছরি, ভূলেছিরু কি রস পাইয়ে। ধিক ধিক নিধাতার, কি আর কহিব তার

हेमटकड़ स्थमः।

रुन धरन ना मिल शिलिएश ॥

এত বলি রসরার, প্রেমরণে গলে যার, .

মুগ্ধ হয়ে ধরিবারে ঢাহে প্রিয়া করেতে ৷

टकरनथा ना रमस धुक्का, हेमक शरफन धुका, মুগ্ধ হয়ে প্রেয়সির প্রেম পারাবারেতে। विधिल कारमञ्ज वाष्ट्रि, आत्र नाहि शतिबाक्ष পেয়ে <mark>জ্ঞান যুবরাজ বৃদিলেন ভূমে</mark>তে। গারে সতী গুণবতী, বনে রাখি প্রাণপদি, উপনীত निकालास नात्थ वाधि প্রেমেতে । ध्यम आभा राज मृत्त, हेमत्य ना ठाइ किरत, बाहि श्रुत देशरणत बल जात भरनरङ। अशादनदण युववङ, त्रमान **द**नागृह, ना रहतिरम् ध्यमिति कादन भाष् वरनरक ॥ राज जारा जारा अलं, शमित्र विद्ध्य वान, दरून रूटल अने में न जाविर ह कि मदन है। **ब्याद्र यह स्मट्याहरल, दू**बि कांत्र स्माम निर्मा, নতুবা যাত্ৰ হে কেন ৰাথা দিয়ে প্ৰাণেতে গ আহ। মরি হার হার, আর কি গাইব ভার-ধিক্রে পামর মন ধিক্তর রুক্ষেতে। क्षिक विक दा नवन, मा स्टिविटन दन पतन, তবে তোরে কি কারণে রাখি দেহ সংখ্যতে। ধিক্ ধিক্ ওরে কর, না ধরিলে ভার কর, अश्य कि कृष बन विमाश कतिहम हता। এই নপে বুসবাম, যেন পাগলের প্রায়,

কত মত খেদ করে পড়ি ধরাতকে রে।

્રેડ્ર

्रेमार्कत वित्र र्वान ।

এ ৰূপে ইম্ফ খ্রীর প্রিয়ার বিরহে। पितिएक का शास्त्र व्याप इंश्तर स्वर महिल वटने कार्या शाटन थान पर महलन আছ লা শহিতে পারি বিরশ্ব বেগন। বৃত্তি পুঠা অপনান পড়িয়াছে ননে। ভাই **হে আ**য়ারে তাজি গেলে নিকে**তনে** । করিয়াছি অপমার্গ তাই বুঝি প্রাণ। भिष्टे उनार्य यम **अ**ष्ठि कतिशक्त मान ॥ এদ আে শোহাগিনি মুখে নীর দেহ। राकगञ्च संव्यत्थ नु**ष्टुष्ट** a त्रह । সার হায় প্রাণ হায় জেমার বিনহে। পর পর হল ততু যাতন। মা নহে। বলিতে বলিতে ধীর উঠিয়ে তথম। डेबारखंत्र माश्चि करत अंतरण अभग ॥ वृष्यन्तरम् रहति यदन देनक मुजन । जनश्रष्ट्र खिलाई **भर्य मम खान धन** ॥ (मार्थ थाक वरण एमर कवि एर यिन्छ। দহিছে অনক্ষে অঞ্চ বিনে দে যুব**ী**।। **ध्रह वनहत्राण कति कृषा, मान ए** क मीरनरन वर्ण (नश्क्षित्रात मुखान्।

व्यक्ति अपि विष्कृषि अप्ति एक एकाश्रेष । তৰ আদশন বাবে মুবি প্ৰাণ বাহ ৷ রসিক রাজন বীর ভবের সামার । লেন্দার বিরহেতে বিষয় কাতর 🛚 হেরি কুমারের ভাব সমুচরগণ া গুছে লয়ে যাম সবে করিয়ে ধারণ চ श्रुट्ट आमि मरनाष्ट्रश्य नदीन होका । প্রেয়দীর ৰূপ ভাবি করেন রোদন । धैयण्डत माग्य छल जावित्य सावित्य । मान बदद ब्यान यन ट्यायनी व्यक्तिका 🖖 रमन ज्या भद शतिकाल करता। जैनाखर नाम एक थिनाई chies i यादेरह विनक्तां अभगात पारह । প্রেরণি প্রেরণি ধলি ভাবে উজেহের। श्रमित्य नाग्यंत शनि नीविद्यत धनी । जारव उर्दे का गरहन त्यार छन्मान ॥ **डाकि मिल महम्दी कट्ट दमव**ी। ছয়ারে দ্বাড়ায়ে আছে মন প্রাণপ্রি॥ या अनिय अई कथा वन नित्र औट्रा । মন আশা তান্ধি যাইবারে স্থানা বরে। शहरा यानाश शास्त्र महहती यात । ष्ठ्रयादन में प्राट्य यथा जाटह तमनाम न

गिरत नरी यूर्वतारक वित्रदा नहरत। (सदम्थात युक्त केना करह तुवाहरम् । यूरंताक त्म चूंवडी मा एक्ष स्टामारत। **चन्नुग**ि त्य धनीतं चात्र छान्निवादत । উব প্রেম আন্তাল্য করিয়ে স্থন্দরী। निष्य ध्याप स्मार्ते चारह भिना निकायती । अक्रम किन स्थान अक्रम मूर्य। वृष्ट्राचार शहर त्यन कुमाद्यत वृत्क । मित्रां म स्टेट्स थीत जश रूफ राम । क्त्य क्त्य छेन्नीच द्रत्न तम्हाध ह यथन व्यभिकतः चतुरमा भनिता । विद्रम् अन्तर्भागि अन्त रहेल । विषम जालाम थेति व्हेन अस्ति । वत कत छन्। दन वदत त्याहर नीत ॥ त्रवहान जुल अहे नभाषात लिएतः हेशतमत्र निकटिएंड चाईतमा (४८त । **ज्यार**ण कति हेमरकत तुनित्त यनम। करह रकत या पु दूमि हरेरत अमन ॥ नाकृष जात्वनानत्व ज्ञानाहत्व (मह। भिष्टामिष्टि जीवरनदेत रकम कछ एउँ । नुशब्दि रागी छान करहन कुमाते। वितानिनी विना त्यात्र मकलि अमात्।।

আর প্রাণে কাজ নাই ও গো দওবারি।
বিষ এনে দাও তাই পান করে মরি।
হার আমি মাটি থেয়ে কি কর্ম করেছি।
আপনরে লোমে আমি তারে হারায়েছি।
পরাণ তাকিব আমি ভাবিয়ে তাহায়ে।
কোথায় সে প্রিয়তমা জেলেখা হক্তরী।
আর তার নিরহে ফেসনে প্রাণ হবি।
কাপের ভুলা নাই শত শত শশী।

देमक सर्वेक रकातात्राह कथार्गन ।

যথন বিনোদ বেণী বিনায় কামিনী।
হেলে দোলে থেলে তেন কাল কুজজিনী।
কে বলে উজম পঞ্চশর শরাসন।
কেবেলার ভুর্যন্ত শর বিনোহন।
কেবলে সূদৃশ্য অভি নর্ত্তর গঞ্জন।
দেখক আদিতে দেই নয়ন রঞ্জন।
থগ ওঠ জিনি নাসা তাহাতে বেশর।
মলয়া সমীরে দোলে অতি মনোহর।।

ব্যাট চল্ল বহে সে বালার মুগ্সমা।
ব্যাট চল্ল বহে সে বালার মুগ্সমা।
ভূলণ সক্রণ জিনি অবরের শোভা।
বিহাত সমান হাসি মন মনোলোভা।
কমন কলিকা সন্প্রোধন কার।
ভত্তপরি হারাবলি অভি চ্যুংকার।।
ব্যেলখার ভূল সেখি বিগাল। অচিবে।
প্রনালে ভূবাইরে রাখিলেক নীরে।।
সে ধনার লোট হেরি লালে প্রস্তাত
বিজন বিগার গাকে মান পেন্তে লাজ।
কপনীর শিরোমণি সে প্রাণ্ডক।
ভারে না পাইলে মন নিতাক মরণ।
ভারে না পাইলে মন নিতাক মরণ।

तरमान नृति कर्जुक दिल्लाशत निकासे मृजी ध्वतन ।

एनि इंग्रकत नागी, यत्नाइवस्थ नृशंमित,

্ ইসফের ফরপত্ম করিরে ধারণ। বলে ওতে বুদরাজ, ত্যজি পাগলের সাজ,

বৈষ্য থার নিজ মনে চলছ্ ভবঁন।। কেন হে তাছার ভরে, কাল কার্ট সকাভরে, দে ধনীর সহ তব করাব মিলন। व्योगात थिलिका मण, श्वन अटह सून्यह.

দূতী দারা সে ধনীর লয়।ইব মন ৷! সূপের আশ্বাস পেয়ে, ইসক প্রফুল ২ঞে

ভূপ নহ নিজালয়ে করিল গ্রন।
গুলে আদি নূপমণি, ভাকি এফ ঘটকিনী

জেলেখার নিকটেতে করিল প্রেরণ।। দূতী ম্যানি শীঘ্র গতি, কংশ জেলেখার প্রতি,

মৃত্ত্বের সবিনয়ে করি বে.ড কর। মুখ্য বাংশ শুন ধনি, তোন্ত্র যে গুরুষণি

ত্র গারি হইয়া**ছে অঠাত** কাতর।। ভাজা করি অভিমান, প্রাণেশ্বর রাখ নান,

চল চল বিনোগোন প্রিয়ের সদন। সোমার প্রেমেন্ড দার, কাতর মে রণ্যান্ত,

প্রেমহুগা দানে স্তন্ত কর ভার সন্দ। শুনিরে দুড়াঁর বাণী, স্বীকার পাইসে ধনী,

রাজপুরে যায় যথা ইসজ স্কজন : হেরিয়ে প্রিয়ার রূপে, ইসফ রসের কূপ হাজ বাড়াইয়ে যেন পাইল গগন :

ইসক জেলেখার বিবাহ ও ইসফের মিশর দেশে

निःहामन श्राश्चि।

পরে নরপতি লয়ে মভামদ গণ। विवादहत मिन करिदेशन मिन्ना ॥ ७७ नाम ७३ कर्भ विवाह हहेन। यटक अमराना अस्मिति माणिक ॥ হানি হাদি আদি যত কুলকনাগণ। সাজায় বালায় সবে করিয়ে বতন।। कदर कान मुधामुधी ७ छ। तमत्ति। এত দিনে পেলে ভূমি তন প্রাণপতি ! राश्त्र जारानामस्य प्रतिरु मर्खना। चालि स्म अस्मात पूर्वि शृष्टेश अवन्।।। এত বলি কুমারীরে করিয়ে ধারণ। वामदत अल्पेष कदा कुलकेंगाश्रम ॥ क्साद्वरव ममर्गन कविता क्यांबी। चन्द्रात्न अन्द्रान करत्र यङ कूलनाती ।। প্রাণপ্রির পেরে প্রাণপ্রিয়া অব্দ সঙ্গ स्ररथत भग्नियित पुराहेल पंत्र ॥ विष्ठ्म अनल हिन इहेरत धवण। भिलन मिलिए जारा कतिल भी छन ॥

এই ৰূপে কিছুকাল কুমার কুমারী।
করিল যে রঙ্গরন বর্ণিবারে নারি।
কিছু দিন পরে তবে মিশবাধিপতি।
ইশকেরে নিজ রাজ্যে কবিল ভূপতি।
আজিজ মেশর নাম দিনে ইসফেনে।
ঘোষণা করিয়ে দিল নেশ দেশাস্তরে॥
মিশর নগরে ধীর পেষে সিংহাসন।
প্রেমানন্দে অকালেতে পালে প্রজাগণ।
আপনি কটার মন্ত্রী মিশ্রেগ্রিগতি।
তত্তপার রাজ্য রক্ষা কর্বে নরপ্রতি।

গুরাকুবের দশ পুরের মিশর নগতে শক্ত কর করিতে গমন, এবং পুনর্কার সুদ্দ আদ শিয়া এফানিকে লটগ্রেরাতে ইমকের সহিত গরিচয়।

গথানে কেনানে গ্রাতুব নরগতি।
ইসফ বিরতে ভূপ বিবাদিত নতি।
পুজের বিরহ বিবে পরাণ অস্থির।
কেনে কেনে আঁবি তারা হইরাছে হির।
বিশেষত ধারতর অকাল উদয়।
অন্ন বিনে প্রজা হুঃখ পায় অতিনয়।

ভূপতির দশ পুত্র মন্ত্রণ। করিয়ে। ভূপভিরে নিবেদিল সকলে আসিরে॥ अनिवास महाबाख आजिज समन्तः। अणि द्वाराम मंद्रे मिनत नेश्वत ।। यकातमञ्जूष (महामञ्जा कतियः বাবিষ্ণাতে বন্ধ শন্য জাগুতিরে পূরিলে গ धर्यन दन भव भगा कतिएक विकेश निन्दर्शेष्ठ गांचे अभि चन बाजा वह । यत्र पिना तर खरू रहेश निधन। लना 'याचि यका कवि मतात की तस । अभिता श्राह्य वाशी नुशवि मद्गतः। অনুমতি দিলা সত্ত ঘাইতে মিশরে 🛭 শাইয়ে পিতার আজ্ঞা ভারো দশ মন বছ ধন লয়ে করে দিশরে গদন। कड मिर्म मिनेद नगर उँखेतिन। ভূপতির সহ গিয়ে নাক্টাত করিন। রাজ ব্যবহারে নতি ভূপতিত্তে করি। कृत त्याद्य मकत्म माँपात्र माहि मानि । हेमकं मिथिया गांज महादत हिनिन। उथानि इनमा कति कहिए नोनिन्।। কে তোমরা দশ জন আইলে এতার। श्वका वहम मत्व कहित्व आभास

খনিরে সকলে কর বোড় করি কর । আমাদের পরিচয় শুন দওধর ॥ কেনান নথা পতি একুৰ রাজন। খামরা এ দশ আভা ভাছার নন্দন 🛊 🔻 मार्क्ष व्यक्तारन स्टब यह ध्वत्राभव। শদ্য হেন্দু হব পাশে আদি একরিণ ৪ क्षि वांनी हेमक कटम्म भूमलाह । भेश रही योगोदत देवर गर्माणेत है अकृत जुरुषत जात्म रुस्टक मन्सन। विकास कहिएस क ह जिन निवरण १ श्वि हेनरक तारी करह रम अम। अत्व कुर्भव करन वाम्य नमस् व्यवस्था नाराखरक नग करत क्रक करम সর্বাদ্য কাতর ভূপ তাহার কারণে । है तक ভाराह बाम वड़ छन्याय। রবি শশি জিনি রপ অতি অনুপাম ঃ এমানি নামেতে ভাতা ক্রিও স্বার দ কালা স্বৰ্ণ জিনি বৰ্ণ জড়ি চম্ৎকার। সর্বাদ। নিকটে ভারে রাথে নরপতি। কোখার ঘাইতে নাহি নেয় মহামতি চ हेमक करहन खन आभात तहन। কেমন এমানি আমি ফরির দর্শন ।

यां अ महत्र भेना वहां आश्रेन जावहर । ं मना तार्थि धमानित्व चानित्व वर्राष्ट्र 🛭 ' অতএৰ শীঘ্ৰ যাও কেনান নগৱে। ুপা**ইবে** বিশুর শুদা আদিলে ভাষ্যরে 🛚 শুনি ভ্রতিগণ কর ভাহা নাই পারি। अक कुछ छाद्राद्धाना हाटड मखबाती ह ইনক কৰেন ভবে ডাজি শন্য আশা এখনি চলিয়ে ষাই আপন আল'স দ ইসভের বাণী শুনি একুব নন্দ। ভর পেয়ে স্বীকার করিল দক্ষন 🛭 তদস্তর কিছু শদ্য সকলো লইয়ে! दिनां इहेरत वर्ग यान्य वान्ति । দ্রুতগতি আনি **শবে পিতার** গোচরে। **भूभिंद्र मयाहात केर्ट्स मयाहरत ॥** বহু প্রণাকর নূপ আজিজ মেশর। अहे **(मश्र भना मिश्राट्डन नह**्य ॥ এমানির নাম ভুপ করিয়ে শুবণ। ভাছারে দেখিতে বাঞ্চা করেন রাজন।। লয়ে থেতে এমানিরে মিশর নুগরে। অনুষ্ঠি দিয়াছেন আমা দ্বাকারে॥ যদি এই অনুষ্ঠি দেহ নৃপ্ৰাপি। वछ नेगा लाउ इस याँहरण अमानि॥

পুরের বচন ভূপ করিয়ে খবন । भरनाष्ट्रश्य मकरनात करम्न अन्ते करवाद नात शिल देभागात गाम नाहि सानि कि कड़िया मन्धान वज्य তাহার বিরুশ বিবে 'ছলিছে এ লো ন रश्म वानी भूछाशन यात्र ता वांसह ।। एक कारण रेतव वाणी श्री**ल उ**र्ज । প্রেঠাও শ্রনিষ্ঠ স্কুতে কেনাম রাজ্ঞ इपात्रं सार्रास्त्र उन इराक् क्यांद्र। कृष्यं अन्त क्या ज्ञान का क्रिकेन्स्राह ।। ধৈৰ বাণী পুনি ছুপ আনন্দিত 🧀। এমানিরে করে করে করিল অপ্র এন্ধিরে পেয়ে ভবে জাতা দশ কন अविनास कंत्रिका मिन्द्रि भागम । সুণ্ডির দই গিলে সাঞ্চাত করিল। এমানিরে ছেরি ভূপ প্রফুল হইল ! এমানিরে নিকটেতে বসালে ভুপতি। মৃত্ব স্বরে কছে ধীয় ভাতাগণ প্রতি।। ষ্ঠ **ইন্ছা শদ্য লয়ে** বাও দশ্জন। এমানিরে রাখি যাও আমার ভবন।। चूপजित्र वाशी श्विन करहे खाजागा। কেমনে এমন বাণী কহিলে রাজন।।

যার পিড়া পলকৈ ছারাগ ফেই জনে हात विहरनं आणे पहित्य त्यमत्म ह তাহাদের কথা ধীর না শুনি প্রবর্গে। এমানিরে রাজবেশ প্রায় হত্যে ছ অপরাণ রাজ্যেশপায়ারে ভংগারে। निक भारम वमार्केस बंद निश्यापान । निविधित्य प्रश्ने अपने अधिकारि करत्। बुक्ति एम हेमक अहै जिनात नगरत है নহে এত.ত্রেই কেল এমানির প্রতি। अवना देनक करे जिन्दानिगि । তই রূপে ক্রাণ্ডাণি মকলেতে করে। बुक्तिय हेरक शीत करह सुष्ट्रश्वतः ॥ অর্থ্যে লইয়ে তাই মেরেছিলে বার। क्रि कर्लक्रित याद्य विटंप राख शास भाग विल माथुरत देवहुम्ह त्यहे कदन। त्मे एका है मर्क खानि, एम्थ ना नग्नदन **।** দশ ভাই শুনি তার। মূচ্ছিত হইল। কতকণে পেয়ে জ্ঞান কহিতে লাগি**ল**ঃ कमा कर तिहे लिय हैमक खूजन। ट्रन कर्षा मा कशिव शांकिएड की**र**न है हेमक कट्टन छाटे दकन कत्र. छन्। তোমাদের রক্ষা করিবেন বিশ্বময় 🗓

এখন বৃদ্ধ ভাই শুনি সমাচার! কেমন স্বাছেন তথা জনক আমাৰ !! हेमरकत्र वाणी खाँच करह पण कमः ्रांगाइ विद्रास मना केर्रामन शास्त्र । निवस्त प्रमादन चर्ह जैति दश । ডোমার অভাবে তাঁরে জীকে নিক্সং 🕻 हेमक कदर्भ खन जामात क्रमा जक सब भी<u>ष</u> जया करार धनन ।। यम नमाहात निरंद यमा करत कर অরে হাঁত্রে সক্তে করি এখানে আন্ত ইম্যের বাণী শুনি ভাই এক জন। अविशास (कमा (मार क्यिन अपन ।। ইনফের সমাচার ভূপেতে ক্রিম भीन कुल स्टरम्टर् कीवन लाईन ॥

এয়াতুবের মিশন দেশে আগমন ও পিত পুরের সাক্ষাৎ, এয়াকুর ও রয়হান মূপতির কাল প্রান্তি এবং ইসফ-ক্রেনে-

থার স্বর্গ গমন

ইসকের সমাচার পাইয়ে রাজন। ক্ষতান্ত হইল বাথা ভূপতির সন s

मजिवदत ज्ञांककार्या कवि नमर्नर। ্পুত্রসহ মিশরেতে করিল গমন। ইসক শুনিয়ে অতি হইয়ে নতুর। পাত মিত্র সমিজারে হল অঞ্চর ॥ समाप्तिः जनत्करत् आमिल जर्दा यद्भ पूर्शिंदे समाहेश मिर्श्नामत्म ।। হেরিয়ে পুত্রের মুগ চরিষ রাজন। প্রেমাবেশে পুত্র মুখ করিল চুন্তন। বাছ প্রশারিয়ে পুত্রে ভূলি লয়ে কে **অভিযেক** করিছোন নয়নের জলে॥ পরে ভূপ ইসফের অধর ধরিয়েন জিজানে বারতা সন আদর করিয়ে। কহ বাপু কোগায় অৰ্ছিলে এত কাং কেমনে হইতে এই মিশরে ভূপাল । শুনি জনকের বাণী ইসফ তথন। একে একে বিবরিয়ে কছে বিবর্ণ।। যে ৰূপেতে ভাতৃগণ অরুণে। বধিল। ए बल्परं कृष मर्था कनाहरम् मि य बट्ध भादनक नाधु किनिएस नहेन যে ৰূপেতে মিশরেকে লইয়ে আইল থে ৰূপে আজিজ কর করিল বাজাং यं करन करनभी नरेश तरिश कांग्रान

হে কলে মিশর ভূপ ছয়ে রুপারান। থিশরেতে সিংখানন করিল প্রদান :: श्रातः अर्तः भक्तव कृतिन निग्रमम । . প্রনিরে বিস্ময় খেশি স্কুপ্রতির মন্ ও हिवानेम शहत फूल शहरह मकन । अस्त अवाह मीति करेंग घरन । এই ৰূপে কৈছে কাল এল্ব রাজন , भरामस्क भूका २० कहिल प्रशंस । भारत अप्रीकृत तमरांच महानत । कान खारस जान कीरह पापन भवन भारतरण हैमल यात (अरमर्था महिर्दे किन्नू कान अना भागितन जनमें ह श्रापु अभिका भारत जात हेमक कुछ× িদের পরিষরি গেল অমর জুবন b লোকেতে স্বপত্নী তার হইল অবন। केमक विद्राह श्रीम केविन विस्तृ । তরু তাজি প্রেমময়ী অমর ভুবনে। इताम अप्याम श्रीम श्रिम व्याप्त्र मा নায়াময় কলেবর পড়িয়ে রহিল ! ऋर्श हेमरकत मह भिनम इहेल 🖖

मकेला छत्।

चांगाकरते हित्रकावा ।

🕮 - কান্ত চরণ পদা ভাব ওরে মন। হ—রণ করহ কাল কেল অকারণ 🖡 🕆 हि—शुद्ध नमन केंद्रि जात रम माधाव। মে - তের সাগর হতে পার পাবে ভবে । क- अ मन निर्नी निल् तक स्वरे शरथ। न-न्म सूड १६ भार्य विश्वत भारनाताथ १ क--मनाकारस ना (कन जार यहाकर)। র –তন লাভেতে তথ নাহিক যুক্তন গ म- इ राम विषय विरयत् नितुष्ठत । ক। 🛨 যে আছরে শেষে জান না পামর। র-মাকান্ডে নিরন্তর কর মূন ধ্যান। র--- হ হয়ে কর সেই প্রেমর্স পান। চি--ভামণি চিন্তা কর মনরে আমার। ७—ति **र**त्व ज्वार्गति म**राज** निस्नात ।